दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली।। शुक्रवार 05 जुलाई -2024 ● वर्ष : 8 अंक : 266 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

हाथरस हादसा : आयोजन समिति के छह लोग किए गए गिरफ्तार, मुख्य आरोपी पर एक लाख का ईनाम घोषित

अलीगढ़। हाथरस भगदड़ मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। अब तक इस घटना में आयोजन समिति से जुड़े छह सेवादारों को गिरफ्तार किया गया। वहीं इस घटना के मुख्य आयोजक-मुख्य सेवादार की गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है।

गिरफ्तार लोगों में उपेंद्र, मंजू यादव, मुकेश कुमार शामिल हैं। घटना पर अलीगढ़ के आईजी शलभ माथुर ने कहा कि जोन स्तर पर सभी जिलों में एसओजी की टीमों को आरोपियों के चिह्नीकरण व गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है। साथ ही मौके से मिले साक्ष्यों को विवेचना का हिस्सा बनाया जा रहा है। गिरफ्तार लोगों ने बताया है कि बाबा के चरण रज लेने से काफी कष्ट दूर हो जाते हैं। गिरफ्तार लोगों ने बताया कि सेवादार के रूप में कार्य करते हैं, समिति के अध्यक्ष व सदस्य हैं। विवेचना में अगर बाबा का नाम

आता है तो उस बिंदु पर कारवाई होगी। जरूरत पड़ने पर बाबा से पूछताछ की जाएगी। आईजी ने बताया कि मृतकों की संख्या 121 है। सभी शवों की पहचान हो गई है और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी हो गई है। आईजी शलभ माथुर ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा-105, 110, 126(2), 223 और 238 के अंतर्गत मामला दर्ज. किया गया है। मुख्य आरोपी मधुकर पर एक लाख का इनाम घोषित किया गया है। जल्द ही उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया जाएगा। आईजी ने कहा कि हम इस बात की भी जांच करेंगे कि क्या यह घटना किसी साजिश के चलते हुई है।

इनकी हुई गिरफ्तारी

राम लडैते पुत्र रहबारी सिंह यादव निवासी भानपुरा थाना कुरावली जनपद मैनपुरी

उपेन्द्र सिंह यादव पुत्र रामेश्वर सिंह निवासी बाईपास एटा रोड थाना शिकोहाबाद

मेघसिंह पुत्र9 हुकुम सिंह निवासी मौ दमदपुरा थाना सिकंदराराऊ, हाथरस

मंजू यादव पत्नी सुशील कुमार निवासी कचौरा थाना सिकंदराराऊ, हाथरस

मुकेश कुमार पुत्र मोहर सिंह प्रेमी निवासी न्यू कॉलोनी दमदपुरा थाना सिकंदराराऊ हाथरस

मंजू देवी पत्नी किशन कुमार यादव निवासी कचौरा थाना सिकंदराराऊ, हाथरस

आईजी ने कहा कि आयोजकों ने पहले भीड़ को रोक लिया था, फिर एक दम लोगों को छोड़ने से यह हादसा हुआ। महिलाएं और बच्चे एक-दूसरे के ऊपर गिर गए।

चरणरज के लिए भीड़ बाबा की गाड़ी के पास थी। आईजी शलभ माथुर का कहना है कि हम 'भोले बाबा' के आपराधिक इतिहास की जानकारी ले रहे हैं।

विश्व विजेता टीम ने लिया पीएम मोदी का आशीर्वाद

नई दिल्ली। विश्व कप विजेता टीम इंडिया आज बारबाडोस से लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट करने पीएम आवास पहुंची। इस दौरान टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के साथ कोच राहुल द्रविड़ और टीम के सभी खिलाड़ी मौजूद रहे। पीएम के सभी खिलाड़ियों और ट्रॉफी के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनसे चर्चा भी की। इसका वीडियो भी सामने आया है। इतना ही नहीं पीएम ने खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके परिवार वालों से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने हर खिलाड़ी और उसके परिवार के साथ भी तस्वीर खिंचवाई।

प्रधानमंत्री मोदी ने खिलाड़ियों को गले भी लगाया। ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर की है। इस तस्वीर में पीएम मोदी पंत को गले लगाते और उन्हें शुभकामनाएं देते दिख रहे हैं। मोहम्मद सिराज भी प्रधानमंत्री मोदी से मिले और उनके साथ तस्वीर खिंचवाई। सिराज ने न्यूयॉर्क में तीनों मैच खेला था। हालांकि, सुपर-8 से

लेकर फाइनल तक उनकी जगह एक अतिरिक्त स्पिनर को मौका दिया गया।

सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी देविशा ने भी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। सूर्या ने सोशल मीडिया पर फोटो भी शेयर की। इसमें सूर्या के साथ पीएम मोदी और देविशा नजर आ रहे हैं।

विराट ने भी प्रधानमंत्री के साथ तस्वीर साझा की है। पीएम मोदी से मिलने के बाद टीम को बुलाने के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। विराट ने लिखा, 'आज हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर बहुत सम्मान महसूस हुआ। प्रधानमंत्री आवास पर हमें आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद सर।' तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी प्रधानमंत्री मोदी से मिलने पहुंचने थे। इस दौरान उनका परिवार भी साथ था।

अर्शदीप ने परिवार वालों और प्रधानमंत्री मोदी के साथ तस्वीर साझा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ भी तस्वीर खिंचवाई। इस दौरान दोनों ने काफी लाइट मोमेंट शेयर किया।

रोहित भारत को कोई भी विश्व कप जिताने वाले तीसरे कप्तान हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बुमराह और संजना के बेटे अंगद के साथ खेला भी। उन्होंने अंगद के हाथों को अपने हाथ में लिया। इसकी तस्वीर भी सामने आई है। प्रधानमंत्री मोदी को बच्चों से काफी लगाव है। ऐसे में उन्होंने अंगद को भी अपना प्यार दिया। अंगद भी हैरानी से प्रधानमंत्री मोदी को देखते रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने रवींद्र जडेजा और उनकी विधायक पत्नी रिवाबा से भी मुलाकात की। जडेजा ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

इस दौरान जडेजा-रिवाबा की बेट निध्याना भी मौजूद रहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने यशस्वी जायसवाल के साथ भी तस्वीर खिंचवाई। इस दौरान यशस्वी का हेयरस्टाइल चर्चा का विषय रहा।

भारतीय टीम ने 2007 में धोनी की कप्तानी में टी20 विश्व कप और 2011 में धोनी की ही कप्तानी में वनडे विश्व कप जीता था। इसके बाद 2013 में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती। अब 11 साल बाद टीम इंडिया ने कोई आईसीसी ट्रॉफी जीती है।

सांसद अतुल गर्ग ने विधायक को गले लगाकर दी जादू की झप्पी

दिया कार्यकर्ताओं को संदेश ऑल इज वैल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भगवागढ़ की भगवा सियासत में बहुत कुछ तेजी से बदला है। यहां लोकसभा का पूरा सीन बदला है और विधानसभा ही लोकसभा में आ गई है और लोकसभा से विधानसभा वालों का मेल जोल हो गया है। तस्वीरें बता रही हैं कि सियासत का माहौल बदल गया है। शहर विधायक से लोकसभा सांसद बने अतुल गर्ग ने मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी के जन्मदिन पर उन्हें केवल जन्मदिन की बधाई नहीं दी बल्कि उन्होंने विधायक को गले लगाकर जादू की झप्पी दी और संदेश को यहां तक पहुंचाया जहां तक वो पहुंचाना चाहते थे।

अतुल गर्ग सियासत के मंजे हुए खिलाड़ी माने जाते हैं और वो जानते हैं कि संदेश कैसे देना है। उन्होंने अपने चुनाव से पहले ही ये कहा था कि अब यहां की सियासत का सीन बदलेगा। ये बात उन्होंने साहिबाबाद विधायक सुनील शर्मा के कैबिनेट मंत्री बनाये जाने पर कही थी। उन्होंने कहा था कि अब आप अपने मंत्री के गले में हाथ डालकर बात कर सकते हैंऔर अब लोकसभा सांसद बनने के बाद उन्होंने विधायक के गले में हाथ डालकर, गले में हाथ डालकर जादू की झप्पी देकर उनके जन्मदिन पर ये संदेश दिया कि अब बहुत कुछ बदल चुका है। वो इस तस्वीर से ये संदेश दे रहे हैं कि ऑल इज वैल अब कहीं कोई दूरी नहीं है अब कहीं कोई मजबूरी नहीं है और प्रोटोकॉल भी खत्म हो गया है। अतुल गर्ग ने ये संदेश दिया कि कार्यकताओं तुम्हें किसका है इंतजार मैं हूं ना। वहीं भाजपा वाले भी तस्वीर को देखकर ये मान रहे हैं कि फिर से भगवा सियासत में पुरानी फीलिंग्स आ रही हैं। सोशल मीडिया पर सांसद की इस जादू वाली झप्पी की चर्चा है।

कार्यकर्ताओं की कृपा वाली स्टोरी में आने वाला है फील गुड कराता ट्विस्ट संगठन ने बनानी शुरू कर दी है सूची और नाम हो रहे हैं शार्ट लिस्ट

तैयार हो रही है बोर्ड सदस्यों-नामित पार्षद से लेकर आयोग की कृपा बरसाती लिस्ट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सरकार बने दो साल हो गये हैं और इन 24 महीनों में अक्सर ये बात भगवा देवतुल्यों के उठती रही है कि उनका नंबर कब आयेगा। वो इस बात को लेकर आशावान थे कि लोकसभा चुनाव से पहले कार्यकताओं को उनकी सक्रियता का ईनाम देने वाली लिस्ट जारी हो जायेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और फिर से इंतजार होने लगा।

इसी बीच उपचुनाव की चर्चा शुरू हो गई और ये माना जा रहा था कि अब उपचुनाव के बाद ही कुछ विचार होगा और इस तरह से समय बीत रहा है लेकिन सूत्र बताते हैं कि कार्यकताओं की उम्मीदों को परवाज मिल सकती है। सूत्र बताते हैं कि सरकारी कृपा वाली लिस्ट तैयार हो रही है। कार्यकताओं के अच्छे दिन आने वाले हैं। अगर सूत्रों की माने तो संगठन स्तर पर नाम शार्टलिस्ट होने शुरू हो गये हैं। यहां पर उम्मीदों का ट्विस्ट ये है कि संगठन को शासन से इशारा मिला है उसी के बाद नामों की सूची बननी शुरू हुई है और बताया जाता है कि जल्द ही ये सूची फाईनल हो जायेगी और फिर इस वर्ष के अंत तक आयोग, निगम, बोर्ड के नामों वाली सूची आ जायेगी।

लोकसभा रिजल्ट के बाद किया है सरकार ने इस पर विचार

करंट क्राइम। दो साल से इंतजार हो रहा था और कार्यकर्ता भी इस बात के लिए बेकरार थे कि उनके हिस्से में क्या आयेगा। सूत्र बताते हैं कि कृपा बरसाने की तैयारी लोकसभा के नतीजों के बाद हुई है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को वो सफलता नहीं मिली है जो वो मानकर चल रही थी। भाजपा जब मंथन और चिंतन करने बैठी तो यहां इस मंथन से यह भी निकला कि अब कार्यकर्ता को भागीदारी देनी होगी। मंथन चिंतन करने वालों ने ये माना कि कार्यकर्ता को भागीदारी जिम्मेदारी देने में देरी भी एक कारण रही है उसका इफैक्ट आया है।

निगम के 10, जीडीए में 4, आयोग में होगी घोषणा

करंट क्राइम। अगर मोटे तौर पर देखें तो गाजियाबाद में सरकारी कृपा पाने वालों की सूची 25 के आस पास हो सकती है। जिम्मेदारी छोटी बड़ी हो सकती है लेकिन ये कार्यकर्ता को फील गुड करायेगी। नगर निगम में 10 नामित पार्षदों की घोषणा होनी है। जीडीए में 4 बोर्ड सदस्य आने हैं और इसके अलावा आयोग के सदस्य भी घोषित होने हैं। गाजियाबाद में अभी तक केवल राजनारायण शुक्ला ही दर्जा प्राप्त बने हैं। इसके अलावा यहां घोषणा होनी बाकी है और इन सूची में मंडल बूथ से लेकर संयोजक और प्रभारी सभी के नाम पर विचार हो रहा है।

लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने लिखा लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को पत्र

राहुल गांधी पर लगाये आरोप और कहा रद्द की जाये उनकी सदस्यता

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर कई दिनों की शांति के बाद एक बार फिर अपने लैटर बम के साथ सामने आये हैं। इस बार उनका निशाना सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हैं। लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को पत्र लिखा और इस पत्र का सार ये था कि शुक्रवार का दिन लोकतंत्र के मंदिर में हमेशा काले दिन के तौर पर याद किया जायेगा। जब देश की

आत्मा को चोटिल करने का कार्य किया गया। विधायक ने अपने पत्र में कहा कि हिंदू धर्म में अनादिकाल से सहिष्णुता की भावना है और ऐसे धर्म को हिंसक कहना घोर निदंनीय है। विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने अपने पत्र में कई बातें लिखी और कहा कि देश में लव जिहाद के साथ साथ राजनीतिक जिहाद चल रहा है। उन्होंने राहुल गांधी के धर्म को लेकर निशाना साधा और कहा कि उन्होंने अग्निवीर जवान योजना में शहीद जवान को मिलने वाली धनराशि पर झूठ बोलकर सदन सहित पूरे देश को गुमराह करने का कार्य किया है। विधायक ने लोकसभा स्पीकर को लिखे पत्र में कहा कि सदन के अभिभावक होने के नाते आप राहुल गांधी पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने की कृपा करें। विधायक ने अपने पत्र में अन्य कई मुद्दे भी उठाये हैं।

कई थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र बदले

गाजियाबाद , करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में गुरुवार की रात बेहतर कानून व्यवस्था के लिए कई थानाध्यक्ष और प्रभारी निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। खोड़ा थाने के प्रभारी जितेंद्र सिंह को ग्रामीण जोन भेजा गया है जबकि आई जी आर एस प्रभारी रहे आनंद प्रकाश मिश्रा को खोड़ा का नया प्रभारी बनाया गया है। तो वहीं राजकुमार गिरी को प्रभारी टीलामोड़ से हटाकर नगर जोन भेजा गया है। उनके स्थान पर गोविंदपुरम चौकी प्रभारी करतार सिंह को थानाध्यक्ष बनाया गया है।

जन शिकायत प्रकोष्ठ के प्रभारी शैलेंद्र कुमार सिंह को मधुबन बापूधाम थाना का नया थाना अध्यक्ष बनाया गया है। तो रवीश कुमार शर्मा को थाने से हटकर प्रभारी जन शिकायत प्रकोष्ठ पुलिस आयुक्त बनाया गया है। बता दें कि कानून व्यवस्था की स्थिति में बदलाव और बीते दिनों हुए तबादले के बाद यह लिस्ट जारी की गई है।

संजीव गुप्ता की कंपनी ने दिलाया गाजियाबाद को सम्मान

समरकूल ग्रुप को मिला जिले का भामाशाह पुरस्कार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कुछ लोग अपनी सतत मेहनत से एक मुकाम हासिल करते हैं और अपना नाम विशिष्ट हस्तियों में शुमार करते हैं। गाजियाबाद में भाजपा के महानगर कोषाध्यक्ष संजीव गुप्ता ने ये मुकाम हासिल किया है। उनकी कंपनी समरकूल इस समय भारत का एक जाना माना ब्रांड है। इसकी औद्योगिक ईकायां, इसका डीलर नेटवर्क और कंपनी की व्यवसायिक गतिविधियां देश से लेकर विदेश तक प्रचालित हो चुकी हैं। अपने बेहतर उत्पाद के लिए जानी जाती है।

संजीव गुप्ता और समरकूल एक दूसरे के पयार्वाची है। संजीव गुप्ता की सबसे खास बात ये है कि वो बिजनेस के साथ साथ चैरिटी और सामाजिक गतिविधियों से भी जुड कर चलते हैं। धार्मिक कामों में वो आगे रहते हैं। सपनावत में मां वैष्णों धाम की स्थापना इसका एक उदाहरण है।

राजनगर में अगर स्कॉन मंदिर में भक्ति रस बरस रहा है तो संजीव गुप्ता वहां सरोबोर मिलेगें। संजीव गुप्ता की कंपनी के खाते में एक सम्मानजनक उपलब्धि है। समरकूल ग्रुप को जिले का भामाशाह पुरूस्कार प्राप्त हुआ है। समरकूल कंपनी को भामाशाह जयंती पर भामाशाह पुरूस्कार के लिए चुना गया है।

गौरतलब है कि 29 जून को भामाशाह जयंती के अवसर पर प्रदेश भर के जिलों में इसे व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया। गाजियाबाद में समरकूल ग्रुप को तेजी से ग्रोथ करने तथा रोजगार के अत्याधिक अवसर कामगारों को प्रदान करने के लिए समरकूल ग्रुप को भामाशाह पुरूस्कार प्राप्त हुआ है। गाजियाबाद के मुख्य विकास अधिकारी आईएएस अभिनव गोपाल द्वारा समरकूल ग्रुप को भामाशाह पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस पुरूस्कार को समरकूल ग्रुप के चेयरमैन संजीव गुप्ता की ओर से उनकी कंपनी के एंकाउंट हैड सचिन जैन ने प्रतिनिधि के रूप में प्राप्त किया।

भव्य और दिव्य महाकुंभ के लिए संगम नगरी का होगा कायाकल्प, स्वच्छता, सुविधा और सुरक्षा का होगा मानक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इसके प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। महाकुंभ के लिए प्रयागराज शहर का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। संगमनगरी प्रयागराज में अगले वर्ष की शुरूआत में होने जा रहे महाआयोजन महाकुंभ 2025 को योगी सरकार भव्य और दिव्य बनाने के लिए जोरदार तैयारियों में जुटी है।

योगी सरकार महाकुंभ में सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता के साथ-साथ महाकुंभ की सुंदरता को लेकर भी मिशन मोड में कार्य कर रही है। इस क्रम में महाकुंभ से पहले ही प्रयागराज को दुल्हन की तरह सजा दिया जाएगा। योगी सरकार की पूरे शहरी इलाके के सौंदर्यीकरण की योजना है जिस पर कार्य भी शुरू हो चुका है। अयोध्या में रामलला के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान जिस तरह की साज सज्जा की गई थी, उसी तरह प्रयागराज का कायाकल्प किया जाएगा। जगह-जगह ग्रीन बेल्ट, हार्टिकल्चर, थीमैटिक डेवलपमेंट समेत सैकड़ों स्तंभ स्थापित किए जाएंगे। महाकुंभ के आयोजन के दौरान जब

श्रद्धालु संगमनगरी पहुंचेंगे तो यहां की आभा देखकर न सिर्फ दंग रह जाएंगे, बल्कि पूरी तरह धार्मिक आस्था के रंग में सराबोर हो जाएंगे। प्रत्येक मार्ग पर ग्रीन बेल्ट का निर्माण सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रयागराज में 38 जंक्शन का सौंदर्यीकरण कार्य प्रगति पर है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा एजेंसी आबद्ध करके ट्रैफिक डेंसिटी एनालिसिस के प्रयोग से स्टडी करके डिजाइन तैयार किया गया है। इसके साथ ही 5 साल के मेंटीनेंस के साथ ग्रीन बेल्ट एवं स्कल्प्चर्स की स्थापना की जाएगी। कुल मिलाकर 19 जंक्शन पीडीए द्वारा, 15 जंक्शन पीडब्ल्यूडी एवं 2 जंक्शन का निर्माण सेतु निगम द्वारा किया जा रहा है। दूसरी तरफ, शहरी मार्गों का भी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसके तहत 38 शहरी मार्गों (75 किलोमीटर) का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मेला प्राधिकरण द्वारा 8 आर्किटेक्ट आबद्ध कर प्रत्येक मार्ग पर ग्रीन बेल्ट, हार्टिकल्चर, लैंड स्केपिंग डेवलपमेंट, थीमैटिक डेवलपमेंट एवं गैप एनालिसिस पूर्ण किया जा रहा है। कुल 36 मार्ग पीडीए द्वारा और 2 मार्ग का सौंदर्यीकरण पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जा रहा है। 4 थीमैटिक गेट का भी प्रस्ताव इसके अतिरिक्त लगभग 10 लाख वर्गफीट पर स्ट्रीट आर्ट व दीवारों पर कलाकृतियां बनाई जाएंगी।

इसमें 5 लाख वर्गफीट कुंभ मेला मद से एवं 5 लाख वर्गफीट एनएमसीजी मद से प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा कार्य किया जाएगा। साथ ही, 4 थीमैटिक गेट बनाए जाने की भी योजना है। इन प्रस्तावित थीमैटिक गेट के नाम सरस्वती द्वार, शिव द्वार, गंगा द्वार और यमुना द्वार रखा जाएगा। इसकी निविदा प्रक्रियाधीन है। इसके अतिरिक्त 108 स्तंभों का भी निर्माण होगा।

सीएम योगी ने दिए थे निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इसके प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। उन्होंने महाकुंभ को स्वच्छता, सुविधा और सुरक्षा का मानक आयोजन बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने को कहा था। मुख्यमंत्री के अनुसार, महाकुंभ 2025 पूरे विश्व को सनातन भारतीय संस्कृति से साक्षात्कार कराने का सुअवसर है। यह न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि भारत की ग्लोबल ब्रांडिंग का माध्यम बनेगा। हमें इसके सफल आयोजन के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत की प्राचीन संस्कृति का परिचायक है। इसकी गरिमा के अनुरूप पूरे नगर को सजाया जाना चाहिए। कुंभ से जुड़े कथानक, सनातन संस्कृति के प्रतीकों आदि को चित्रित किया जाए। चौराहों पर कुंभ के लोगो लगाए जाने चाहिए। थीम आधारित द्वार, स्तम्भ, लाइटिंग के प्रयास होने चाहिए।

हेमंत सोरेन 154 दिनों बाद फिर से बने झारखंड के सीएम, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

रांची। हेमंत सोरेन ने गुरुवार शाम 4.55 बजे झारखंड के सीएम के रूप में शपथ ले ली है। कुल 154 दिनों के बाद उन्होंने एक बार फिर यह दायित्व संभाला है। राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। कैबिनेट के बाकी मंत्रियों को 7 जुलाई या किसी और दिन शपथ दिलाई जाएगी।

समारोह में निवर्तमान सीएम चंपई सोरेन, झारखंड कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर सहित इंडिया गठबंधन की झारखंड इकाई के शीर्ष नेता मौजूद रहे। सोरेन को इसी साल 31 जनवरी को ईडी ने जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया था और उन्होंने उसी रोज रात 8.30 बजे सीएम पद से इस्तीफा दिया था। उनकी जगह उनके मंत्रिमंडल में शामिल रहे चंपई सोरेन ने 2 फरवरी को सीएम की कुर्सी संभाली थी। 28 जून को हाईकोर्ट से जमानत

मिलने के बाद हेमंत सोरेन जेल से बाहर आए और उसके सातवें दिन ही उन्होंने एक बार फिर सीएम की कुर्सी संभाल ली है। सीएम के रूप में यह उनका तीसरा कार्यकाल है। इसके पहले 29 दिसंबर 2019 को उन्होंने विधानसभा चुनाव में झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन की जीत के बाद दूसरी बार सीएम पद की शपथ ली थी। वह 13 जुलाई 2013 को पहली बार सीएम बने थे और उनका यह कार्यकाल 28 दिसंबर 2014 तक रहा था। शपथ लेने के करीब दो घंटे पहले सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर 31 जनवरी की वह फाइल फोटो शेयर की, जिसमें वह राज्यपाल को इस्तीफा सौंप रहे थे। इस तस्वीर के साथ सोरेन ने लिखा, हर अन्याय को पता है कि एक दिन उसे न्याय परास्त करेगा।

जय झारखंड के तत्कालीन सीएम चंपई सोरेन ने बुधवार शाम 7.15 बजे राजभवन पहुंचकर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को इस्तीफा सौंपा था। इसके साथ ही सत्तारूढ़ गठबंधन के नए नेता हेमंत सोरेन ने नई सरकार के लिए दावा पेश करते हुए 45 विधायकों के समर्थन का पत्र राज्यपाल को दिया था। इसके बाद गुरुवार दोपहर करीब 1.30 बजे राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री नियुक्त करते हुए सरकार बनाने का आमंत्रण दिया था।

दिल्ली में रेहड़ी-पटरी वालों से मिले राहुल गांधी, मजदूरों के बीच बैठे दिखे

नई दिल्ली। किंग्सवे कैंप के लेबर चौक पर राहुल गांधी ने मजदूरों से बातचीत की। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में राहुल के आसपास काफी लोग जमीन पर बैठे दिख रहे हैं। राहुल मजदूरों के बीच में बैठे दिखाई दे रहे हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज दिल्ली के जीटीबी नगर में रेहड़ी-पटरी वाले दिहाड़ी मजदूरों और श्रमिकों से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि राहुल दिल्ली के किंग्सवे कैंप गए। जहां वे मजदूरों से मिले।

किंग्सवे कैंप के लेबर चौक पर राहुल गांधी ने मजदूरों से बातचीत की। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में राहुल के आसपास काफी लोग जमीन पर बैठे दिख रहे हैं। राहुल मजदूरों के बीच में बैठे दिखाई दे रहे हैं। हाथरस में सत्संग में मची भगदड़ में हुई 121 की मौत हाथरस के सिंकदराराऊ क्षेत्र के गांव फुलरई मुगलगढ़ी में मंगलवार को नारायण साकार हरि महाराज उर्फ भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में हुई 121 लोगों की मौत हो गई।

हाथरस जाएंगे राहुल गांधी

कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बाताया कि राहुल गांधी हाथरस भगदड़ हादसे के पीड़ितों से मिलने जाएंगे। केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी हाथरस जाने की योजना बना रहे हैं। वह वहां जाएंगे और प्रभावित लोगों से बातचीत करेंगे।'

युवती ने कहासुनी होने पर ऑटो चालक को डंडे से जमकर पीटा, फोड़ दिया सिर

नई दिल्ली। युवती ने पहले डंडे से ऑटो चालक को पीटा और फिर हाथ के कड़े से उसके सिर पर हमला किया, जिससे ऑटो चालक का सिर फट गया। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो दिल्ली के निहाल विहार इलाके का है। दिल्ली के निहाल विहार इलाके से एक वीडियो सामने आया है। जिसमें बुलेट सवार एक युवती की दबंगई दिख रही है। मामूली कहासुनी होने पर युवती ने ऑटो चालक के साथ जमकर मारपीट की। इतना ही नहीं युवती ने ऑटो चालक का सिर फोड़ दिया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस वीडियो की जांच करने में जुटी है। बताया जा रहा है कि युवती ने पहले डंडे से ऑटो चालक को पीटा और फिर हाथ के कड़े से उसके सिर पर हमला किया, जिससे ऑटो चालक का सिर फट गया। बेसबॉल के डंडे से युवती ने ऑटो चालक को पीटा। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ राहगीरों ने लड़की को रोकने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं मानी। युवती वहां मौजूद अन्य लोगों पर भी चिल्लाती है और वह ऑटो चालक को लगातार पीटती रहती है।

आंध्र सीएम नायडू ने पीएम मोदी से की मुलाकात, मांगी वित्तीय सहायता

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने पीएम मोदी से राज्य के विकास के लिए वित्तीय सहायता की मांग की। सीएम एन चंद्रबाबू नायडू और पीएम मोदी के बीच बैठक लगभग आधे घंटे तक चली। बैठक के दौरान सीएम ने पीएम नरेंद्र मोदी को बताया कि राज्य को कठिन वित्तीय स्थिति से उबरने के लिए किस तरह की मदद की जरूरत है। सीएम ने राज्य की राजधानी अमरावती के निर्माण और पोलावरम परियोजना को पूरा करने में भी केंद्र सरकार की मदद मांगी।

इस महीने के अंत में संसद में 2024-25 के लिए पूर्ण केंद्रीय बजट पेश किया जाना है। इसलिए सीएम नायडू ने राज्य की जरूरतों के बारे में पीएम मोदी को बताया। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने पीएम मोदी को एक ज्ञापन भी सौंपा। बता दें कि 13 जून को मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद चंद्रबाबू नायडू की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ यह पहली मुलाकात थी। पीएम मोदी से मुलाकात से पहले सीएम चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की

थी। इस दौरान सीएम के साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू और केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर भी थे। मुख्यमंत्री ने बाद में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की। सीएम नायडू राज्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात कर सकते हैं।

उत्तराखंड में मानसून के दौरान ग्राम प्रहरियों को एक्टिव करने के निर्देश

देहरादून। उत्तराखंड के कई इलाकों में मानसून के कारण भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग के बारिश को लेकर जारी किए गए पूवार्नुमान को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम प्रहरियों को एक्टिव करने का फैसला लिया है। उत्तराखंड में इस मानसून सीजन के सामान्य से अधिक प्रभावी होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

प्रदेश में सामान्य से ज्यादा बारिश दर्ज की जा रही है। कुमाऊं में चार दिन तक भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड मौसम निदेशक विक्रम सिंह ने बताया कि अगले चार से छह दिनों तक प्रदेश के सभी जिलों में बारिश होने की संभावना है। कुमाऊं के पहाड़ों से लगने वाले मैदानी क्षेत्र में सामान्य से अधिक बारिश देखी जा रही है। बारिश के कारण कुमाऊं के पहाड़ी जनपदों में भी

परेशानियां बढ़ सकती है। चुनौतियों को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने रात के समय ग्राम प्रहरियों को एक्टिव करने को लेकर सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। दरअसल, दिन के समय आपदाओं से बचा जा सकता है। लेकिन, रात के समय आने वाली आपदा से सबसे ज्यादा जानमाल का नुकसान होता है। इसलिए रात के समय में ग्राम प्रहरियों को एक्टिव किया जा रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि कुमाऊं के साथ-साथ गढ़वाल में यह सप्ताह चुनौती भरा हो सकता है। रात के समय में ज्यादा चुनौतियां देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग निदेशक ने कहा कि अभी तक हमारे पास कोई सायरन सिस्टम नहीं है।

हैदराबाद पुलिस ने भाजयुमो के विरोध मार्च को किया विफल

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कथित हिंदू विरोधी बयान के खिलाफ भाजयुमो द्वारा गुरुवार को हैदराबाद में कांग्रेस कार्यालय तक प्रस्तावित विरोध मार्च को पुलिस ने विफल कर दिया और भाजयुमो के नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग लेते हुए राहुल गांधी द्वारा दिए गए भाषण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। नामपल्ली में भाजपा कार्यालय में एकत्रित भाजयुमो कार्यकर्ता तेलंगाना में कांग्रेस के मुख्यालय गांधी भवन तक मार्च करने की कोशिश कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की और उनका पुतला फूंका। परमिशन न होने के कारण पुलिस ने मार्च को रोक दिया। इस पर भाजयुमो कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए और मार्च की अनुमति मांगी। लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस शहर के विभिन्न पुलिस थानों में भी ले गई।

प्रगति की समीक्षा के लिए राजनाथ सिंह ने की आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री से बात

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर बात की है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच यह बातचीत गुरुवार को टेलीफोन पर हुई। इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि चर्चा के दौरान द्विपक्षीय रक्षा सहयोग से जुडे.हुए कई विषयों की समीक्षा की गई थी।

चर्चा के दौरान ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप जीतने के लिए भारत को बधाई भी दी। बातचीत में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देशों के बीच वार्ता को घनिष्ठ सहयोग पर केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि हम भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को विशेष महत्व देते हैं। दोनों देशों के मंत्रियों ने व्यापक

रणनीतिक साझेदारी के तहत रक्षा सहयोग में परिवर्तनकारी प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने भारत-ऑस्ट्रेलिया 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता के बाद से संबंधों में हुई प्रगाढ़ता की सराहना की, जिसमें दोनों मंत्रियों ने नवंबर 2023 में भाग लिया था।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया ने वर्ष 2024 में जारी किए गए अपने राष्ट्रीय रक्षा रणनीति दस्तावेज में भारत को उच्चस्तरीय सुरक्षा साझेदार माना है। इस चर्चा के दौरान ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस ने निरंतर दूसरे कार्यकाल में रक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए राजनाथ सिंह को बधाई दी।

इसके साथ ही उन्होंने भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली की कार्यपद्धति की सराहना भी की। गौरतलब है कि भारतीय लोकतंत्र प्रणाली के अंतर्गत होने वाले चुनाव में जनता ने बड़ी संख्या में मतदान किया। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री ने टीम इंडिया के टी-20 विश्व चैंपियन बनने पर भी रक्षा मंत्री को बधाई दी।

सारण में 24 घंटे के अंदर तीसरा पुल गिरा, तेज बहाव नहीं झेल पाया गंडक नदी पर बना ब्रिज

सारण। बनियापुर के दो पंचायतों सरेया और सतुआ को जोड़ने वाला पुल अनियमितता का भेंट गया। दोनों पंचायतों के दर्जनों गांवों का संपर्क टूट गया है। इस कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सारण में पुल ध्वस्त होने का सिलसिला जारी है। 24 घंटे के अंदर तीसरा पुल ध्वस्त हो गया।

बनियापुर के दो पंचायतों सरेया और सतुआ को जोड़ने वाला पुल अनियमितता का भेंट गया है। दोनों पंचायतों के दर्जनों गांवों का संपर्क टूट गया है। इस कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह पुल सतुआ पंचायत और सरैया पंचायत को जोड़ने वाला मुख्य पुल था। पुल के दोनों तरफ ग्रामीण खेती करते हैं। साथ ही इंटर कॉलेज होने के चलते सरेया के छात्र छात्राओं को विद्यालय जाने के लिए एकमात्र यही सहारा था। पुल टूटने और नदी में पानी होने से लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना होगा। हादसे के बाद सारण के डीएम ने कहा कि जिले में इन छोटे पुलों के ढहने का कारण जानने के लिए उच्च स्तरीय जांच का आदेश दिया गया है।

एक ही दिन में दो पुल ध्वस्त इससे पहले सारण जिले के ही लहलादपुर प्रखंड के जनता बाजार के पास गंडक नदी पर बने पुल के धराशाही होने के कुछ ही घंटे बाद एक और पुल ध्वस्त होने की खबर से सभी लोग स्तब्ध हो गए थे। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर क्या कारण है कि एक ही दिन में महाराजगंज के विभिन्न गांवों को जोड़ने वाली नदी पर बने पुल के गिरने के बाद सारण जिले के जनता बाजार थाना क्षेत्र में दो पुल लगातार ध्वस्त हो गए।

पिछले 16 दिन में 10 पुल ढह गए

इससे पहले बुधवार को सीवान में बैक टू बैक तीन पुल ध्वस्त हो गए थे। लगातार बारिश के कारण कुछ ही घंटों में तीन पुल गिरने से कई गांवों के बीच संपर्क टूट गया है। पहली घटना महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा गांव और देवरिया गांव के बीच की है। गंडक नदी पर बना 35 साल पुराना पुल का का एक पाया धंसने लगा। देखते ही देखते पुल गंडक नदी में समा गया। दूसरी घटना महाराजगंज प्रखंड के तेवथा पंचायत की है। नौतन और सिकंदरपुर गांव के गंडक नदी पर बना पुल गिर गया। वहीं तीसरा पुल धीमही गांव में गंडक नदी में बना था। यह भी धाराशायी हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले इस पुल की मरमत भी हुई थी। उसके बाद भी यह पुल टूट गया है। पानी के तेज बहाव के कारण बताया जा रहा है। हादसे के बाद कई गांव के बीच आवागमन बाधित हो गया है।

पानी का तेज बहाव नहीं झेल पाया पुल

ग्रामीणों के अनुसार, गंडकी नदी पर इस पुल का निर्माण पांच वर्ष पूर्व स्थानीय मुखिया के निजी कोष से हुआ था। नदी में सफाई कार्य के बाद पुल के किनारे और पाया के पास की मिट्टी कम होने और पानी के तेज बहाव होने के कारण पुल टूट गया। लगभग दस किलोमीटर दूर लहलादपुर प्रखंड के जनता बाजार में बुधवार को दो पुल टूटने की घटना हुई थी। सारण जिले में गंडक नदी पर महज 24 घंटे के अंदर सारण जिले का तीसरा पुल टूटने का मामला सामने आया है। लगातार पुल टूटना सारण सहित पूरे बिहार में चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल पुल टूटने से बनियापुर के सतुआ और सरेया पंचायत के ग्रामीणों को आवागमन प्रभावित हो गया है।

दिल्ली में रेहड़ी-पटरी वालों से मिले राहुल गांधी, मजदूरों के बीच बैठे दिखे

नई दिल्ली। किंग्सवे कैंप के लेबर चौक पर राहुल गांधी ने मजदूरों से बातचीत की। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में राहुल के आसपास काफी लोग जमीन पर बैठे दिख रहे हैं। राहुल मजदूरों के बीच में बैठे दिखाई दे रहे हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज दिल्ली के जीटीबी नगर में रेहड़ी-पटरी वाले दिहाड़ी मजदूरों और श्रमिकों से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि राहुल दिल्ली के किंग्सवे कैंप गए। जहां वे मजदूरों से मिले। किंग्सवे कैंप के लेबर चौक पर राहुल गांधी ने मजदूरों से बातचीत की। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में राहुल के आसपास काफी लोग जमीन पर बैठे दिख रहे हैं। हाथरस में सत्संग में मची भगदड़ में हुई 121 की मौत हाथरस के सिंकदराराऊ क्षेत्र के गांव फुलरई मुगलगढ़ी में मंगलवार को नारायण साकार हरि महाराज उर्फ भोले बाबा के सत्संग में मची भगदड़ में हुई 121 लोगों की मौत हो गई। जिनमें से 106 की पहचान यूपी के 17 जिलों के निवासियों के रूप में हुई है, जबकि छह देश के अलग अलग राज्यों के निवासी हैं। बाकी की पहचान के प्रयास जारी हैं। इन सभी को राज्य-केंद्र सरकार मिलकर मुआवजा देगी। हादसे में 38 लोग घायल हैं, जो खतरे से बाहर हैं। सीएम योगी ने बुधवार को खुद हाथरस के जिला अस्पताल में घायलों का हाल जाना। चश्मदीद घायलों से बात की।

बीते 10 साल में भारत में गरीबी अनुपात गिरा

नई दिल्ली। भारत में गरीबी के स्तर में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। 2023-24 में इसके 8.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि 2011-12 में 21 प्रतिशत थी। इकोनॉमिक थिंक टैंक एनसीएईआर की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

सम्बन्ध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, शिव नारायण तायल पुत्र जय नारायण तायल नि-बी-1205, यूनिनाव हाइट्स, राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद, अपनी पुत्री शुभा सिंघल पत्नी संजय सिंघल को गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद करता हूँ।

गाजियाबाद नगर निगम
(I.S.O. 14001, 18001 एवं 19001 प्रमाणित संस्था)

पत्रांकः- 302/पार्किंग/2024-25 दिनांकः 04.7.2024

पार्किंग स्थलों की ई-निविदा/खुली बोली आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विभिन्न पार्किंग स्थलों पर संचालित/अधिकृत 08 सामान्य पार्किंग स्थलों एवं कविनगर जोन, विजयनगर जोन, सिटी जोन, वसुन्धरा जोन अन्तर्गत स्थित औद्योगिक क्षेत्र में सडक पटरी किनारे खडे होने वाले माल वाहक वाहनों यथा टाटा-407, ट्रक, ट्रोला, ट्रैक्टर-ट्राली आदि वाहनों से निर्धारित शर्तों के अनुसार पार्किंग शुल्क की वसूली करने हेतु **दिनांक 22.07.2024** को ई-निविदा व **दिनांक 24.07.2024** को खुली बोली प्रक्रिया के माध्यम से द्वि-पद्धति आधार पर सार्वजनिक ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। सामान्य पार्किंग स्थलों को संचालित करने एवं औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क पटरी किनारे खड़े होने वाले माल वाहक वाहनों से पार्किंग शुल्क वसूल करने के ठेके को संचालित करने के इच्छुक व्यक्ति अपनी निविदा ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट **http://etender.up.nic.in** से प्रकाशन की तिथि से **दिनांक 22.07.2024** को **अपरान्ह 3.00 बजे** तक डाउनलोड कर ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट **http://etender.up.nic.in** पर अपलोड कर सकते हैं, जो **दिनांक 22.07.2024** को **सांय 4:00 बजे** ई-निविदायें पार्किंग प्रभारी के चतुर्थ तल स्थित कार्यालय कक्ष में खोली जायेगी। उसके पश्चात पार्किंग स्थलों हेतु खुली बोली का आयोजन **दिनांक 24.07.2024** को **1.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक** नवयुग मार्किट स्थित नगर निगम मुख्यालय में किया जायेगा। पार्किंग स्थलों हेतु ई-निविदा अथवा खुली बोली के माध्यम से प्राप्त अधिकतम धनराशि दोनों में से जो भी अधिकतम होगी, पर ही स्वीकृति हेतु विचार किया जायेगा। ई-निविदा एवं खुली बोली सम्बन्धी शर्तें ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाईट **http://etender.up.nic.in** पर निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध है।

पार्किंग प्रभारी
गाजियाबाद नगर निगम

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली ।। शुक्रवार 05 जुलाई-2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

6 जुलाई को चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी यूपी कांवड़ यात्रा को लेकर मेरठ में करेंगे मीटिंग, अधिकारी हुए अलर्ट

22 जुलाई से दिल्ली-देहरादून हाइवे और वेस्टर्न यूपी में बंद हो जाएगा भारी वाहनों का संचालन

गाजियाबाद, करंट क्राइम । सावन मास में होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां को दौर शुरू हो चुका है। बीते दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में कमिश्नरेट के शीर्ष अधिकारियों ने संबंधित व्यवस्थाओं, तैयारियों और आयोजन को लेकर पूरा रोडमैप तैयार किया है। तो वहीं अब जानकारी है कि 6 जुलाई को उत्तर प्रदेश के चीफ सेक्रेटरी और उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी प्रशांत कुमार मेरठ आएंगे। यहां कांवड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक होगी। जिसमें कई राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ ही वेस्टर्न यूपी के प्रमुख अधिकारी शामिल होंगे। कांवड़ यात्रा के संबंध में अधिकारी जरूरी निर्देश, कांवड़ यात्रा को लेकर पूरी एडवाइजरी भी जारी करेंगे। एडीजी जोन मेरठ डीके ठाकुर ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

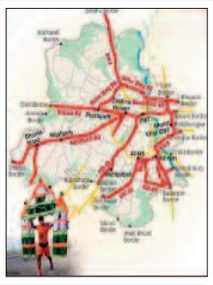

मीटिंग में रहेंगे पश्चिम के कमिश्नर और एसएसपी

करंट क्राइम । 6 जुलाई को मेरठ में होने वाली बैठक में चार राज्यों के पुलिस अधिकारी मौजूद रहेंगे। इसमें दिल्ली-हरियाणा-उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। कांवड़ यात्रा के संबंध में होने वाली इस बैठक में गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर के कमिश्नर के साथ ही एसएसपी मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, बिजनौर, बुलंदशहर, मुरादाबाद हापुड़ के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। इसके साथ ही ट्रैफिक की व्यवस्था के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों को इसमें भेजा जाएगा। गाजियाबाद से पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र 6 जुलाई को होने वाली बैठक में भाग लेंगे।

डीसीपी ग्रामीण उपलब्ध कराएंगे गंगाजल

करंट क्राइम । पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में डीसीपी ग्रामीण जोन को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि 20 जुलाई तक गाजियाबाद पुलिस लाइन में पर्याप्त संख्या में हरिद्वार से गंगाजल मंगावाकर रिजर्व में रखवा दिया जाए ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी शिव भक्त की कांवड़ खंडित होने पर उसे गंगाजल मुहैया कराया जा सके। साथ ही रिजर्व में भी बड़ी संख्या में गंगाजल को रखा जा सके।

एसीपी की अनुमति से ही लगेंगे शिविर

करंट क्राइम। कांवड़ शिविर लगाने के लिए पुलिस-प्रशासन की अनुमति लेनी होगी। शहरी क्षेत्र में नगर मजिस्ट्रेट और अपर नगर मजिस्ट्रेट, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में एसडीएम शिविर की अनुमति प्रदान करेंगे। इसके साथ ही सर्किल के एसीपी शिविर के आयोजक भोजन की गुणवत्ता, सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। साथ ही शिविर सड़क की पटरी छोड़कर 20 फिट की दूरी पर लग सकेगा। कांवड़ियों के लिए स्टेटिक मेडिकल कैंप लगेंगे। इनके अतिरिक्त मोबाइल मेडिकल टीमें भी गठित होंगी।

हथियार रखने पर रहेगा बैन, डीजे की लेनी होगी परमिशन

करंट क्राइम । कांवड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवडिए अपने साथ किसी प्रकार का हथियार नहीं ले जा पाएंगे। साथ ही डाक कांवड़ और वाहनों पर चलने वाले कांवडियां जो डीजे का इस्तेमाल करेंगे, उसके लिए उन्हें परमिशन लेनी होगी। डीजे की ऊंचाई, लंबाई चौड़ाई के साथ ही उसकी ध्वनि को भी नियंत्रित रखा जाएगा। वहीं गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत आने वाले तीनों जोन में जितने भी डीजे संचालक हैं, उनका भी विवरण 20 जुलाई तक अधिकारियों को सपना होगा।

बॉडी वॉर्न कैमरा और सीसीटीवी से होगी निगरानी

करंट क्राइम । कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा के चाक चौबंद व्यवस्था करने के लिए डीजीपी का दौरा हो रहा है। 6 जुलाई को खुद उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े पुलिस अधिकारी डीजीपी प्रशांत कुमार पहुंच रहे हैं। वह यहां कई राज्यों के अधिकारियों के साथ सुरक्षा इंतजामों को लेकर बैठक करेंगे। साथ ही बैठक में गाजियाबाद और गौतमबुध नगर पुलिस कमिश्नरेट के कमिश्नर और लगभग आधा दर्जन से अधिक प्रमुख जिले जो पश्चिम में कांवड़ यात्रा के दौरान मुख्य माने जाते हैं वहां के एसएसपी, एसपी, डीआईजी, आईजी और एडीजी जोन स्तर के अधिकारी भी यहां मौजूद रहेंगे। जानकारी है कि कांवड़ मार्गों पर पुलिस बॉडी वॉर्न कैमरे का इस्तेमाल इस बार अधिक करेगी। वहीं बड़ी संख्या में सीसीटीवी भी लगाए जाएंगे ताकि सभी तरीके की रिकॉर्डिंग और साक्ष्य पुलिस के पास मौजूद रहे।

इन बातों पर भी रहेगा जोर

- प्लास्टिक के दोने, गिलास व चम्मच पर पूर्णतय प्रतिबंध रहेगा।
- कांवड़ मार्ग पर बगैर अनुमति के कोई वाहन नहीं चल पाएगा।
- शिविर में कटिया डालने और खुले तारों का इस्तेमाल नहीं होगा।
- ग्रामीण क्षेत्र के सभी गांवों में हलका लेखपाल भी मौजूद रहेंगे।
- सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेट सरकारी वाहन ही इस्तेमाल करेंगे।
- कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाले रेस्टोरेंट अपनी रेट लिस्ट लगाएंगे।
- कांवड़ सेवा शिविर मार्ग के बाईं ओर ही लगाए जा सकेंगे।
- कांवड़ मार्ग पर शराब की दुकानों पर भीड़भाड़ नहीं जुट पाएगी।
- कावंड़ मार्ग पर मीट-मछली की दुकानों पर प्रतिबंध जारी रहेगा।
- उच्च न्यायालय के आदेशानुसार तेज ध्वनि के स्पीकर नहीं लगेंगे।

बंद कराई जाएगी नॉनवेज शॉप और बदलेगा मॉडल शॉप का ठिकाना

करंट क्राइम । पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद के अंतर्गत पुलिस संबंधित विभागों को भी अपने साथ लेकर चलेंगी। इसके साथ ही अलग-अलग कांवड़ प्रमुख मार्गों पर पढ़ने वाली नॉनवेज की दुकानों को कांवड़ यात्रा के दौरान पूरी तरीके से बंद रखा जाएगा। इसके साथ ही जो शराब के ठेके और मॉडल शॉप कांवड़ यात्रा वाले मार्ग पर हैं, उनको यहां से अस्थाई रूप से कुछ दिनों के लिए संचालित भी किया जाएगा। इसके साथ ही आवश्यक सेवा से जुड़े वाहनों के अलावा डाक कांवड़ शुरू होने पर अन्य वाहनों को मार्ग पर नहीं आने दिया जाएगा।

एक पौधा मां के नाम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भारतीय जनता पार्टी इन दिनों एक पौधा मां के नाम अभियान को संचालित कर रहा है। इसी कड़ी में गुरूवार को एमएलसी दिनेश गोयल द्वारा अपने आवास पर अभियान के तहत आम का पेड़ लगाया गया। इस अभियान का मकसद पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के साथ ही अपने पूर्वजों को याद करने का है। बीते कुछ दिनों के दौरान भारतीय जनता पार्टी के सांसद, विधायक से लेकर महानगर अध्यक्ष तक इस अभियान के तहत पौधा लगा चुके है। इन दिनों मानसून भी आ गया है ऐसे में ये नए पौधे जल्द ही पेड़ का रूप ले ऐसी कामना भाजपा के सभी नेता कर रहे है।

फैक्ट्री में आग लगने से झुलसे चार दमकलकर्मी

गाजियाबाद, करंट क्राइम । लिंक रोड थानाक्षेत्र में इलेक्ट्रिकल फैक्ट्री के स्टोर में रखे केमिकल ड्रम में आग लग गई। दमकलकर्मी आग को बुझाने की कोशिश में जुट गए। इस दौरान आग के दौरान केमिकल का ड्रम फटने से 4 दमकलकर्मी घायल हुए हैं। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। कंपनी ई- 16 साइट 4 साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया में है। कंपनी का नाम रोटोमैक इलेक्ट्रिकल प्राइवेट लिमिटेड है। मौके पर फायर ब्रिगेड के कर्मी आग बुझाने में जुटे हुए। इस दौरान चार दमकलकर्मी आग में झुलस गए। गाजियाबाद के दमकल विभाग के चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया, साहिबाबाद फायर स्टेशन को आग लगने की सूचना मिली थी। थाना लिंक रोड के साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया में रोटोमैक इलेक्ट्रिकल प्राइवेट लिमिटेड में आग लग गई है। आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। आसपास के फायर स्टेशन की 7 दमकल की गाड़ियां मौके पर मौजूद रहीं जिन्होंने आग पर काबू पाने का काम किया।

शादी की चाहत पूरी न होने पर गोली मारने वाला प्रेमी गिरफ्तार

अभी किशोरी का चल रहा है अस्पताल में उपचार

गाजियाबाद, करंट क्राइम । क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के डूंडाहेड़ा गांव में रहने वाली किशोरी को गोली मारने वाले शादीशुदा प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तो वहीं अस्पताल में उपचाराधीन किशोरी की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी रविराज निवासी

मूलरूप से अमरोहा के पास से 315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया है । उसने पुलिस को बताया है कि वह पहले से शादीशुदा था, उसके दो बच्चे हैं लेकिन उसकी दोस्ती जब लड़की से हो गई तो दोनों का मिलना जुलना शुरू हो गया था और वह लड़की से शादी करना चाहता था लेकिन पहले से शादीशुदा होने की वजह से लड़की हर बार उससे शादी करने के लिए इंकार कर देती थी। इसी से नाराज होकर उसने उसे रास्ते से हटाने के लिए गोली मारी थी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को बयान दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

नए कानून के तहत दर्ज हुआ मुकदमा

करंट क्राइम । एसीपी वेव सिटी पूनम मिश्रा ने जानकारी दी है कि हत्या के प्रयास के इस मामले में पुलिस ने नए कानून में संशोधित नई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही सभी साक्ष्य भी डिजिटल जुटाए गए हैं। उन्होंने बताया है कि आरोपी रविराज पहले भी किशोरी से मिलने को लेकर जिद करता था और उस पर दबाव बनाता था लेकिन जब किशोरी नहीं मानी तो उसने उसे मौत के घाट उतारने का प्लान बनाया था, पर वह उसमें सफल नहीं हो पाया और गोली मारने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने हाथरस हादसे को लेकर उठाए सवाल

संघ प्रमुख मोहन भागवत से की आशा वो रखें देश के सामने सही दृष्टिकोण

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। अब ये बाबा कौन है ?इसका अतीत क्या था ? किस मत मतांतर का बाबा मानने वाला है ?या स्वम्भूभगवान है ? कौन कौन नेता इनके सत्संगों को उपस्थित होकर अभिभूत हो चुके हैं ? और तो और धर्म छोड़ो बाबा किस जाति का है ? उंसके अनुयायी किस जाति के ज्यादा हैं ?जनता में इनका कितना प्रभाव है ? इनके अनुयायियों के कितने वोट हैं ? ये वोट बाबा के फतवे से मिल सकते हैं या नहीं ? ....ऐसे अनेक सवाल उठ रहे हैं और लोग उनके उत्तर भी खोज रहे हैं।

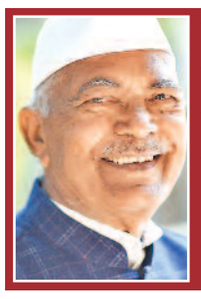

कितनी चालाकी है या कहूँ धूर्तता है कि नेता प्रशासन, पुलिस, आयोजक, सेवादार सब को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं लेकिन कोई भी ये कहने को तैयार नहीं है कि ऐसे पाखंड रुकने चाहिए। सारी दुनिया ने प्रत्यक्ष देखा है कोई धर्म ,कोई धर्म स्थल ,कोई धर्म गुरु कोरोना से नहीं बचा सका ।

भारत का संविधान कहता है कि देश के नागरिकों की वैज्ञानिक सोच विकसित होनी चाहिए। सरकारें ऐसे शिक्षण प्रशिक्षण परम्पराओं को प्रोत्साहित करें जिससे लोगों में अंधविश्वास कम हो ,विज्ञान के आधारित सोच विकसित हो। लेकिन क्या किसी राजनेता में साहस है जो कह सके कि ये पाखंड है और मैं इस पाखंड का विरोध करता हूँ। क्या कोई धर्म गुरु जो श्री राम मंदिर के महूर्त पर सवाल उठा रहे थे उनमें से कोई कह सकता है कि ये कोई धर्म सम्मत मत नहीं है। ईश्वर के प्रप्ति का रास्ता नहीं है ? हालांकि इस्लाम के लोग अपने पर आक्षेप करने वाले का सर तन से जुदा करने की सजा देते रहते हैं फिर भी कुछ लोग उनकी आलोचना करते हैं। ईसाई मत की आलोचना होती है लेकिन कोई हिन्दू धर्म गुरु , धर्म ज्ञानी , विभिन्न मतमतान्तरों की दुकान चलाने वाले इन पाखंडों का विरोध करने के लिए सामने नहीं आये हैं।

कितनी चालाकी है या कहूँ धूर्तता है कि नेता प्रशासन ,पुलिस , आयोजक ,सेवादार सब को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं लेकिन कोई भी ये कहने को तैयार नहीं है कि ऐसे पाखंड रुकने चाहिए। गरीबी और अंधविश्वास में परस्पर गहरा रिश्ता है। दुनिया मे कष्टों से पीड़ित मानव उससे मुक्ति के लिए राह खोज रहा है उसी में वह अंधविश्वास का शिकार हो रहा है देश पहले से ऐसे कथित गुरु और गुरुडम से तबाह है ,आशाराम ,रामपाल ,सतगुरु, रामरहीम ,समोसे के साथ हरी चटनी खिलाने वाले बाबा जैसे गुरुओं की परंपरा में एक बाबा और जुड़ गए हैं। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने समाजों को ऐसे कथित उद्धारकों से सावधान किया था।बाबा नानक देव ने तो पाखंड और चमत्कारों पर रोक ही लगा दी थी। संत रैदास ने तो मन चंगा तो कटौती में गंगा ही प्रकट कर दी थी फिर भी लोग भ्रमित हैं । अपने कष्टों से परेशान हैं । लेकिन जैसे एलोपैथी ,आयुवेर्दी , होम्योपैथी ,यूनानी ,सिद्धा सभी से निराश अंत में भूत प्रेत उतारने वाले बाबा के दरवाजे भी चला जाता है इसी प्रकार लोग अपने कष्टो के निवारण के लिए ऐसे कथित चमत्कारियों के दरवाजे जाने में गुरेज नही करते।

सारी दुनिया ने प्रत्यक्ष देखा है कोई धर्म ,कोई धर्म स्थल ,कोई धर्म गुरु कोरोना से नहीं बचा सका ।सारे धर्म स्थल बंद हो गए। फिर भी अंधविश्वास और अज्ञानता से लोग पाखंड के लिए मौत तक का शिकार हो रहे हैं।आज फिर देश को महर्षि दयानन्द जैसे महापुरुष की आवश्यकता है जो हरिद्वार में कुंभ के अवसर पर पाखंड खण्डनी सभा चला कर पाखंड और पखण्डियों को ललकारे। ये धर्म राजनेताओं नेताओ के भरोसे नहीं रह सकते। वे केवल वोट की तराजू से हर समस्या को तौलते हैं। इसके लिए धर्म गुरुओं को आगे आकर ईश्वर के सही स्वरूप को सामने रखना पड़ेगा। नहीं तो गरीब अज्ञानी अंधविश्वासी लोग ऐसे ही भीड़ के पैरों तले कुचले जाते रहेंगे। और हर घटना के बाद ऐसे ही विलाप होता रहेगा। कमसे कम लोगों को श्री मोहन भागवत जी (वर्तमान आरएसएस प्रमुख) से जरूर आशा है कि वे जरूर सही दृष्टिकोण देश के सामने रखेंगे।

सात महीने में 424 पर हुई गुंडा एक्ट की कार्रवाई, 74 को थाने में हाजिरी लगाने का आदेश

कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर करने के लिए लिया गया निर्णय

गाजियाबाद, करंट क्राइम । पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में 1 जनवरी 2024 से लेकर अब तक कुल 424 ऐसे विपक्षी और अभियुक्तगण हैं जिन पर पुलिस ने गुंडा एक्ट की कार्रवाई करते हुए उन्हें 6 महीने के लिए जिले की सीमाओं से बदर करने का काम किया है।

वहीं एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी ने जानकारी दी है कि 74 ऐसे अभियुक्त भी वर्तमान में कमिश्नरेट में हैं, जिन्हें थानों में हाजिरी देने का निर्देश दिया गया है। बता दें की अलग-अलग गंभीर अपराध और दो पक्षों के विवाद से लेकर अन्य मामलों में नामजद चल रहे 424 अभियुक्तों पर अब तक गुंडा एक लगाया गया है।

गुंडा नहीं हुआ जिला बदर तो होगी कार्रवाई

करंट क्राइम । एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी ने जानकारी दी है कि जिन भी अभियुक्तगणों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई है, उन्हें 6 महीने के लिए जिला बदर किया गया है, अगर वह जिला बदर घोषणा के बाद अपने जिले में मिले या उनकी लोकेशन पाई गई तो संबंधित बीट कांस्टेबल और चौकी व थाना प्रभारी को इस पर स्पष्टीकरण देना होगा। साथ ही उन पर नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी।

इन पर भी की गई सुनवाई के बाद कार्रवाई

करंट क्राइम । एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी ने साजिद निवासी डासना थाना वेव सिटी पर गुंडा एक्ट लगाया है। इस पर 10 मुकदमे दर्ज हैं। किसी के साथ ही सुहैल निवासी शहीद नगर थाना साहिबाबाद पर नौ मुकदमे दर्ज है। तो वहीं हैप्पी निवासी डासना गेट थाना कोतवाली पर छह मुकदमे, सोनू पर पांच मुकदमे, आरिफ उर्फ मौसी पर थाना टीलामोड चार मुकदमे, विजय आनंद थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक तीन मुकदमे, प्रज्ञा अनंत तीन मुकदमे, सद्दाम निवासी अंकुर विहार पर दो मुकदमे, मनीष और रिजवान पर भी दो-दो मुकदमों के बाद गुंडा की कार्रवाई में शामिल किया गया है।

संपादकीय

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता

देश भर में सड़कों पुलों रेल-बस स्टेशनों हवाई अड्डों आदि का निर्माण तो तेजी से हो रहा है लेकिन क्या उनके निर्माण मानकों पर खतरे उतर पा रहे हैं? उचित यह होगा कि केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकारें भी यह देखें कि उनकी ओर से जिस भी आधारभूत ढांचे का निर्माण कराया जा रहा है उसकी गुणवत्ता से कोई समझौता तो नहीं हो रहा है? चंद दिनों पहले लू से झुलसती दिल्ली अब बारिश के कारण बेहाल है। यह स्थिति इसीलिए बनी, क्योंकि कम समय में कहीं अधिक बरसात हो गई। इसके चलते जगह-जगह जलभराव होने से जनजीवन तो अस्त-व्यस्त हुआ ही, दिल्ली एयरपोर्ट के एक हिस्से की छत गिर जाने से एक व्यक्ति की जान भी चली गई। इस घटना को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया। इसकी कोई आवश्यकता नहीं थी।

आवश्यकता तो उन कारणों का निवारण करने की है, जिनके चलते जगह-जगह जलभराव के साथ एयरपोर्ट पर हादसा हुआ। अत्यधिक बरसात के कारण जो स्थिति दिल्ली में बनी, वैसी देश-दुनिया के अन्य शहरों में भी रह-रहकर बनती ही रहती है। कुछ समय पहले आधारभूत ढांचे की दृष्टि से कहीं अधिक उन्नत शहर दुबई सामान्य से अधिक बरसात के चलते पानी-पानी हो गया था। पिछले कुछ वर्षों में अपने देश में भी अत्यधिक बरसात के चलते बेहतर आधारभूत ढांचे वाले शहर भी गंभीर समस्याओं से घिरते रहे हैं। अब जब जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में अप्रत्याशित बदलाव एक यथार्थ है, तब फिर यह समझा जाए कि इस बदलाव जनित समस्याओं पर राजनीतिक तू-तू मैं-मैं से किसी को कुछ हासिल होने वाला नहीं है। मौसम में अप्रत्याशित बदलाव के कारण भीषण गर्मी अथवा ठंड के चलते जो समस्याएं सामने आ रही हैं, उनका सामना आसान नहीं, लेकिन कम से कम ऐसे उपाय तो किए ही जा सकते हैं, जिससे अत्यधिक बरसात जनित समस्याओं से पार पाया जा सके। यह तभी संभव हो सकेगा, जब सरकारें दूरगामी उपायों पर ध्यान केंद्रित करेंगी और आम जनता भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए तैयार रहेगी।

जब भी कहीं आवश्यकता से अधिक बरसात हो जाती है तो आधारभूत ढांचे की पोल खुल जाती है। स्थिति यह है कि एक-दो वर्ष पहले किए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो जाते हैं। इन सवालों को लेकर राजनीतिक दल एक-दूसरे को ऐसे घेरने लगते हैं, जैसे उनके दल द्वारा शासित राज्य सरकारों और उनकी एजेंसियों की ओर से कराए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता उत्कृष्ट कोटि की साबित हो रही हो। इस सच से मुंह मोड़ने का कोई मतलब नहीं कि चाहे राज्य सरकार की एजेंसियों की ओर से किए गए निर्माण कार्य हों या फिर केंद्र सरकार की एजेंसियों के, उनकी गुणवत्ता कसौटी पर खरी नहीं उतरती। अपने देश में जैसे नई बनी सड़कें रह-रहकर धंसती रहती हैं, वैसे ही नए बने पुल भी गिरते रहते हैं।

देश भर में सड़कों, पुलों, रेल-बस स्टेशनों, हवाई अड्डों आदि का निर्माण तो तेजी से हो रहा है, लेकिन क्या उनके निर्माण मानकों पर खतरे उतर पा रहे हैं? उचित यह होगा कि केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकारें भी यह देखें कि उनकी ओर से जिस भी आधारभूत ढांचे का निर्माण कराया जा रहा है, उसकी गुणवत्ता से कोई समझौता तो नहीं हो रहा है?

अब यूएई में यूपीआई के जरिए कर सकेंगे डिजिटल भुगतान

नई दिल्ली। अब आसानी से मध्य पूर्व के देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में यूपीआई से भुगतान किया जा सकेगा। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड ने मिडिल ईस्ट और अफ्रीका की बड़ी डिजिटल कॉमर्स कंपनी नेटवर्क इंटरनेशनल के साथ साझेदारी की है। यूएई में अब भारतीय यात्री या एनआरआई पॉइंट ऑफ सेल मशीन के माध्यम से क्यूआर कोड के जरिए यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान कर पाएंगे। एनपीसीआई इंटरनेशनल के सीईओ रितेश शुक्ला ने कहा कि यूएई के मर्चेंट्स के बीच यूपीआई पेमेंट की बढ़ती हुई स्वीकार्यता केवल भारतीय यात्रियों के लिए ही नहीं

सुविधाजनक होगा, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इनोवेटिव डिजिटल पेमेंट सॉल्यूशन को भी प्रमोट करेगा। एनपीसीआई ने कहा है कि 2024 में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) में भारतीय यात्रियों का आंकड़ा 98 लाख पहुंचने का अनुमान है। अकेले यूएई में 53 लाख के करीब भारतीयों के पहुंचने की संभावना है। भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और एनपीसीआई इंटरनेशनल मिलकर यूपीआई को वैश्विक मंच पर बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। फिलहाल भारत के बाहर नेपाल, श्रीलंका, मॉरीशस, यूएई, सिंगापुर, फ्रांस और भूटान में यूपीआई से भुगतान किया जा सकता है। यूपीआई से डिजिटल भुगतान आसान होने के कारण इसके जरिए होने वाले लेनदेन की संख्या में साल दर साल इजाफा हो रहा है। एनपीसीआई के डेटा के मुताबिक, यूपीआई प्लेटफॉर्म पर जून में लेनदेन की संख्या 13.9 अरब थी। इसमें सालाना आधार पर 49 प्रतिशत का इजाफा देखा गया है। इस दौरान यूपीआई से औसत लेनदेन की संख्या प्रतिदिन 463 मिलियन रही और प्रतिदिन औसत 66,903 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ।

इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए आईटी मंत्रालय ने दिया 44 हजार करोड़ रुपये की सहायता का सुझाव

नई दिल्ली। भारत सरकार का जोर सेमीकंडक्टर के साथ घरेलू इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने पर है, जिससे देश को दुनिया के सप्लाई चेन हब के रूप में विकसित किया जा सके। इसके लिए आईटी मंत्रालय ने एक टास्क फोर्स का गठन किया था, जिसने सरकार को सुझाव दिया है कि घरेलू कंपनियों को 2030 तक 44,000 करोड़ रुपये की सहायता दी जाए। मंत्रालय की ओर से इस टास्क फोर्स का गठन इस वर्ष जनवरी में किया गया था। इसका नेतृत्व अजय कुमार सूद कर रहे हैं, जो कि सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार हैं। इसके अलावा अन्य सदस्य जैसे एचसीएल के संस्थापक और ईपीआईसी फाउंडेशन के चेयरमैन अजय चौधरी और डिक्सन टेक्नोलॉजीज के एमडी सुनील वचानी इस टीम के सदस्य हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टास्क फोर्स ने प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम को 2030 तक बढ़ाने की सिफारिश की है। इससे एप्पल जैसी कंपनियों को भारत में आपूर्ति श्रृंखला बनाने में मदद मिलेगी और निर्यात बढ़ेगा। चौधरी ने कहा कि इसका मकसद भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स आयात बिल को कम करना है। उन्होंने आगे कहा कि अगले पांच वर्ष भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए काफी अहम होंगे। इससे अगले कई दशकों की दिशा तय होगी। हमें एक उत्पादक देश बनना है और ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट्स में चीन को कड़ी टक्कर देनी है। इसके लिए देश को अपने सबसे अच्छे लोगों को आगे लाना होगा। टास्क फोर्स के सदस्यों के मुताबिक, सरकार ने पिछले 10 वर्षों में सुनिश्चित किया है कि भारतीय कंपनियां खुद को पुनर्जीवित करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर' अभियान के तहत लिए गए एक्शन को जमीनी स्तर पर काफी सराहना मिली है। उन्होंने आगे कहा कि अब हमारा फोकस वैल्यू-एडेड मैन्युफैक्चरिंग और भारत में उत्पादों के डिजाइन पर होना चाहिए। इसके जरिए भारत ग्लोबल ब्रांड के लिए अपनी दावेदारी को और मजबूत कर सकता है।

भारत दुनिया के तीन सबसे आशावादी देशों में शामिल : सर्वे

नई दिल्ली। एक ग्लोबल सर्वे में भारत को इंडोनेशिया और सिंगापुर के साथ दुनिया के तीन सबसे आशावादी देशों में जगह दी गई है। इस सर्वे में अलग-अलग देशों के लोगों की ओर से दिए गए इकोनॉमिक आउटलुक के आधार पर रैंक दी गई है। आईपीएसओएस द्वारा 'वॉट वरी द वर्ल्ड' नाम से जारी जून महीने के सर्वे में बताया गया कि 69 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि देश सही दिशा में जा रहा है। वहीं, सिंगापुर और इंडोनेशिया में ये आंकड़ा क्रमशः 79 और 70 प्रतिशत का है। यह आंकड़ा वैश्विक स्तर 38 प्रतिशत है। सर्वे में 38 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने माना है कि महंगाई एक सबसे बड़ी चिंता है। वहीं, 35 प्रतिशत का मानना

है कि बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है। पिछले सर्वे के मुकाबले महंगाई और बेरोजगारी की चिंता में क्रमशः 3 और 9 प्रतिशत की कमी देखने को मिली है। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो महंगाई को लेकर 33 प्रतिशत, जुर्म और हिंसा को लेकर 30 प्रतिशत, गरीबी और सामाजिक असमानता को लेकर 29 प्रतिशत, बेरोजगारी को लेकर 27 प्रतिशत और वित्तीय एवं राजनीतिक भ्रष्टाचार को लेकर 25 प्रतिशत लोग चिंतित हैं। आईपीएसओएस ऑनलाइन पैनल सिस्टम के तहत सर्वे 24 मई, 2024 से लेकर 7 जून, 2024 के बीच किया गया है। इसमें 29 देशों के 25,520 वयस्क लोगों से जानकारी एकत्रित की गई है। ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, ब्राजील, कनाडा जैसे देशों में सैंपल साइज करीब 1,000 का रहा है। जबकि, भारत, अर्जेंटीना, चिली, इंडोनेशिया और इजराइल जैसे देशों में सैंपल साइज 500 का रहा है।

सेंसेक्स पहली बार 80 हजार के पार, निफ्टी 24,300 के ऊपर

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए गुरुवार का कारोबारी सत्र काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा। बाजार के मुख्य सूचकांक हल्की बढ़त के साथ बंद हुए हैं। दिन के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी ने क्रमशः 80,392 और 24,401 का नया ऑल-टाइम हाई बनाया। लेकिन, ऊपरी स्तरों पर बाजार टिकने में विफल हुआ। कारोबारी सत्र के अंत में सेंसेक्स 62 अंक या 0.08 प्रतिशत बढ़कर 80,049 और निफ्टी 15 अंक या 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,302 पर था। यह पहली बार है जब सेंसेक्स 80,000 के ऊपर बंद हुआ है। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बढ़त देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 325 अंक या 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 56,618 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 92 अंक या 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,792 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा,

टीसीएस, इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा टॉप गेनर्स थे। एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, विप्रो, टेक महिंद्रा और एलएंडटी टॉप लूजर्स थे। सेक्टर के हिसाब से देखें तो ऑटो, आईटी, फार्मा, रियल्टी और पीएसई हरे निशान और फिन सर्विस एवं एफएमसीजी इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिका में महंगाई का दबाव कम होने और 10 वर्ष के बॉन्ड की यील्ड नीचे जाने के कारण आईटी और फार्मा में खरीदारी देखने को मिल रही है। सरकारी खर्च बढ़ने के कारण कॉरपोरेट आय में उछाल आ सकता है। इससे प्रीमियम वैल्यूएशन को सहारा मिल रहा है।

राशिफल

मेष: शैक्षिक कार्यों में सुधार होगा। सम्पत्ति में निवेश कर सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। किसी रुके हुए धन की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष: मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन: व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। मानसिक शान्ति रहेगी।

कर्क: कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी। कारोबारी यात्रा लाभप्रद रहेगी।

सिंह: मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

कन्या: आत्मसंयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

तुला: मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक: क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे।

धनु: नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मकर: नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुंभ: बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कारोबार में वृद्धि होगी। सेहत का ध्यान रखें।

मीन: क्रोध के अतिरेक से बचें। मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव बढ़ेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा।

चुटकुले

बाप ने बेटे की तलाशी ली और कोट से सिगरेट और लड़कियों के नंबर निकले।
बाप ने बहुत मारा और पूछा कब से चल रहा है यह सब?
बेटा- पापा यह कोट तो आपका है।

पत्नी ने मायके से पति को फोन करके कहा- आपके बिना जी नहीं लगता।
पति- अरे पगली एए नहीं लगता तो स्टार और सोनी लगाकर देख लो वो भी अच्छे चैनल हैं!

पत्नी- बहुत मोटे हो गए हो तुम।
पति- तुम भी तो कितनी मोटी हो गई हो।
पत्नी- पर मैं तो मां बनने वाली हूं।
पति- तो मैं भी तो बाप बनने वाला हूं!

प्रेमी- कल मिलने क्यों नहीं आई?
प्रेमिका- क्योंकि कल हमारे घर ब्यूटीफुल ट्रैजिडी थी।
प्रेमी- ब्यूटीफुल ट्रैजिडी का मतलब?
प्रेमिका- सुंदरकांड
प्रेमी ने पकड़ लिया सिर!

रोचक तथ्यों का करंट

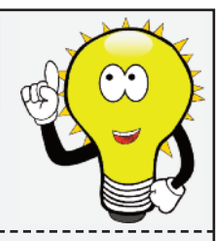

- अजवाइन को खाने में कितनी कैलोरी लगती है जितनी की अजवाइन से आपको कैलोरी नहीं मिलती।
- तोते इंसानो की तरह अपने बच्चों को एक नाम देते है। और उम्र भर उनका वही नाम रहता है।
- इंसान के दिमाग का विकास 40 साल की उम्र तक तक होता है।
- अगर कोई आपको अपनी सपने के बारे में बताएं तो यह जरूर पूछना कि उसका सपना कहां से शुरू हुआ, क्योंकि सपना कहां से शुरू हुआ यह बताना पॉसिबल नहीं।
- दुनिया का 70% उपयोग किए जाने वाले मसाले भारत में ही तैयार होते हैं।
- एक गधा रेत के दलदल में डूब सकता है परंतु एक खच्चर नहीं रुक सकता है।
- इंसानो की तरह तोते भी मोटापे की बीमारी का शिकार होते हैं।
- जब बच्चा पैदा होता है तो उस समय माँ को होने वाला दर्द एक साथ 20 हड्डियां टूटने के बराबर होता है।
- कोई भी व्यक्ति अपनी सांस रोककर अपने आप को नहीं मार सकता।

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606315 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

करंट क्राइम

परिवार की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

05 07 2024

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

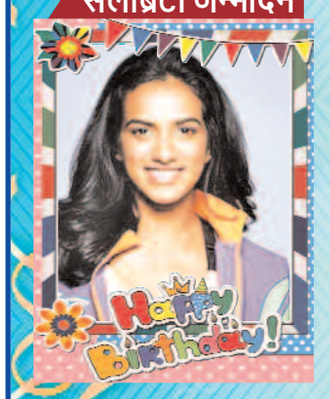

पीवी सिंधु
बैडमिंटन खिलाड़ी

सना सैफी, सिकंदर सैफी, मनीषा शर्मा, ज्ञानेंद्र सिंघल, बृजेश भट्ट, धर्म गर्ग, राजेन्द्र कुमार, नईम खान, डीपी आर्य, अरूण हूण
अरूण कुमार, चंदन सिंह, दीपक शर्मा, सूफियान नंबरदार, तेजपाल सिंह, आदेश कुमार, अशोक भाटी, आरिफ शेख, जयप्रकाश सिंह, महेश चन्द्र
मनोज कुमार, नकुल त्यागी, नरेन्द्र हुड्डा, राजीव चौधरी, रघुवेन्द्र प्रताप सिंह, पंकज शिशेदिया, सुनील भारती, विजय कुमार गुप्ता, गजेन्द्र यादव, अकरम शैफी
ब्रजपाल सिंह, ललित त्यागी, अरविंद कुमार, सुनील चाचा हिन्दू, गौरव गोयल, अनिल श्रीवास्तव, योगेश दत्त गौर

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

'11 साल का इंतजार खत्म' : टीम इंडिया का दिल्ली में फैंस ने किया शानदार स्वागत

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप की ट्रॉफी के साथ टीम इंडिया भारत लौट चुकी है। एयरपोर्ट से लेकर होटल आईटीसी मौर्य तक क्रिकेट फैंस ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भारतीय खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया। होटल पहुंचने पर कप्तान रोहित शर्मा सहित ऋषभ पंत, सूर्या और हार्दिक जैसे खिलाड़ी भांगड़ा करते नजर आए। टी20 चैंपियन टीम इंडिया गुरुवार को बारबाडोस से भारत लौटी, जहां सैकड़ों प्रशंसकों ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के बाहर लगातार हो रही बूंदाबांदी और कड़ी सुरक्षा के बावजूद टीम इंडिया का भव्य स्वागत किया। दिल्ली में सुबह के समय खराब मौसम के बावजूद, प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए एयरपोर्ट के बाहर हाथ में छत्री थामे और राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए कतार में खड़े थे। एयरपोर्ट पर मौजूद एक प्रशंसक ने कहा, 11 साल का इंतजार खत्म हो गया है, इसलिए इसका जश्न भी शानदार होना चाहिए। मैं लक्ष्मी नगर से यहां आया हूं, और सुबह 5 बजे ही एयरपोर्ट पर पहुंच

गया था, ताकि हमारे कप्तान 'इंडिया का राजा' रोहित शर्मा और टीम की एक झलक देख सकूं। एक अन्य महिला फैन ने कहा, हम रात से ही अपने स्टार खिलाड़ियों की राह देख रहे हैं। हम एयरपोर्ट पर सुबह 4 बजे ही आ गए थे। वहीं, नोएडा से आई एक महिला फैन ने किंग कोहली के साथ एक सेल्फी और दिल्ली में एक रोड शो करने की ख्वाहिश जताई। तूफान के कारण जीत के तुरंत बाद घर वापस नहीं लौट पाने वाली टीम को तब तक अपने होटल में ही रहना पड़ा जब तक कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक स्पेशल चार्टर फ्लाइट की व्यवस्था नहीं कर दी। एआईसी24डब्ल्यूसी-एयर इंडिया चैंपियंस 24 विश्व कप नाम से एयर इंडिया की फ्लाइट बुधवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 4:50 बजे बारबाडोस से रवाना हुई और 16 घंटे की नॉन-स्टॉप यात्रा के बाद गुरुवार को सुबह 6 बजे (भारतीय समयानुसार) दिल्ली पहुंची। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, लेकिन इससे प्रशंसकों का उत्साह कम नहीं हुआ। लोग स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पोस्टर लेकर उत्साह से जयकारे लगा रहे थे। फाइनल में डेविड मिलर का शानदार कैच लेने वाले सूर्यकुमार यादव ने जयकारे लगाने वालों का साथ भी दिया। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने दर्शकों को सलाम किया, जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने फ्लाइंग किस उड़ाई। रोहित ने प्रतिष्ठित ट्रॉफी को थामे हुए बस में चढ़ने से पहले प्रशंसकों को एक झलक दिखाने के लिए इसे उठाया। कोहली ने बस में चढ़ने से पहले समर्थन का आभार जताया। आईसीसी ट्रॉफी के लिए 11 साल के इंतजार को खत्म करने वाली इस जीत को टीम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। भारत ने इससे पहले 2013 में आईसीसी खिताब जीता था, जब उसने महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। टीम ने इससे पहले 1983 (वनडे), 2007 (टी20) और 2011 (वनडे) में विश्व कप खिताब जीते थे।

घर लौटे टी20 विश्व चैंपियन, नई दिल्ली में पीएम से मुलाकात के बाद मुंबई में विक्ट्री परेड

नई दिल्ली। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टी20 चैंपियन टीम इंडिया अपने वतन लौट चुकी है। टीम के दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचने पर भारतीय फैंस अपने चहेते हीरो की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे। 17 साल पहले टी20 विश्व कप जीतने वाली धोनी ब्रिगेड का रोड शो आज भी हर भारतीय के जेहन में ताजा है। अब उस लम्हे को एक बार फिर जीने का मौका दिया है हमारी नई चैंपियन टीम ने, जिन्होंने अहमदाबाद में हुए हार्टब्रेक पर टी20 ट्रॉफी का मरहम लगा दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप 2023 की फाइनल की हार ने पूरे देश को झकझोर दिया था। सदमा इतना गहरा था कि कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने इमोशंस कंट्रोल नहीं कर पाए। लेकिन कुछ महीनों बाद ही टीम इंडिया ने साबित कर दिया की वह बस एक खराब दिन था। चैंपियन

टीम को किस्मत नहीं, बल्कि उनकी काबिलियत चैंपियन बनाती है। देश 29 जून 2024 की रात जश्न में डूब गया, देश में दिवाली जैसा माहौल छा गया था। दिलचस्प बात यह है कि इस बार भी रोहित-कोहली अपना इमोशंस कंट्रोल नहीं कर पाए, बस फर्क इस बात का था कि इस बार यह आंसू खुशी के थे। हर भारतीय इस जीत के जश्न में डूबा हुआ था, और अब जब भारतीय टीम ट्रॉफी के साथ घर लौटी है, तो दिल्ली से लेकर मुंबई तक उनके भव्य स्वागत का इंतजाम किया गया है। गुरुवार को यह होगा टीम इंडिया का पूरा प्रोग्रामः टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम गुरुवार की सुबह बारबेडोस से नई दिल्ली पहुंच गई है। नई दिल्ली में भारतीय टीम के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के बाद दोपहर को मुंबई के लिए रवाना होगी, जहां नरीमन प्वाइंट से वानखेड़े स्टेडियम तक रोड शो का आयोजन होगा और उसके बाद वानखेड़े स्टेडियम में उनके लिए सम्मान समारोह रखा गया है। बता दें, हरिकेन तूफान 'बेरिल' के आने से भारतीय टीम पिछले तीन दिनों से बारबेडोस के ब्रिजटाउन में ही फंसी हुई थी। तूफान के कारण वहां का एयरपोर्ट पूरी तरह से बंद था और हवाई सेवाएं भी स्थगित थीं। इसके बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भारतीय टीम के लिए एयर इंडिया के विशेष चार्टर विमान एयर इंडिया चैंपियंस 24 विश्व कप का इंतजाम कराया। यह विमान ब्रिजटाउन के स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 4.20 पर रवाना हुआ था जो नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुबह 6.15 पर पहुंचा। इस विमान में खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के अलावा उनका परिवार, बोर्ड के कुछ अधिकारी और मीडिया के भी लोग शामिल रहे।

पंकज आडवाणी का एशियाई बिलियर्ड्स में विजय क्रम जारी

रियाद। एशियाई बिलियर्ड्स में खितौषी हैट्रिक की तलाश में उतरे भारत में शीर्ष क्यूइस्ट पंकज आडवाणी ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए सिद्धार्थ पारिख को 4-2 से हरा दिया। पंकज और सिद्धार्थ के बीच छह फ्रेम के मुकाबले में दोनों ने दबाव के बावजूद अपना कौशल दिखाया। मैच की शुरूआत सिद्धार्थ के बढ़त लेने से हुई। सटीकता और नियंत्रण दिखाते हुए, उन्होंने 101 अंक बनाए और पंकज 38 के साथ पीछे रह गए। सिद्धार्थ के शानदार प्रदर्शन ने मैच का माहौल तैयार कर दिया। दूसरा फ्रेम काफी रोमांचक था। सिद्धार्थ 100 से 99 के करीबी स्कोर के साथ पंकज को पछाड़ने में कामयाब रहे। विशेष रूप से, सिद्धार्थ के पास 65 का ब्रेक था, जबकि पंकज ने 92 के प्रभावशाली ब्रेक के साथ फ्रेम को लगभग अपने पक्ष में कर लिया था। अगले फ्रेम में जाकर, पंकज ने जोरदार वापसी की और सिद्धार्थ को 101 से 0 के स्कोर के साथ पूरी तरह से हरा दिया।

60 का उनका ब्रेक उनके रणनीतिक कौशल और निष्पादन का प्रमाण था। चौथा फ्रेम एक गहन लड़ाई थी। सिद्धार्थ ने 95 अंक बनाए, जिसमें 95 का ब्रेक भी शामिल था, लेकिन यह पंकज के 101 को पार करने के लिए पर्याप्त नहीं था। पंकज ने 93 के ब्रेक के साथ, दबाव में प्रदर्शन करने के अपने लचीलेपन और क्षमता का प्रदर्शन किया और मामूली अंतर से फ्रेम जीत लिया। उन्होंने पांचवें फ्रेम में अपना दबदबा जारी रखा और सिद्धार्थ के 2 के मुकाबले 104 का स्कोर बनाया। 87 के उल्लेखनीय ब्रेक के साथ, पंकज ने अपने लगातार उच्च स्तरीय खेल और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे सिद्धार्थ को वापसी करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। अंतिम फ्रेम में, सिद्धार्थ ने शानदार प्रयास करते हुए 95 के ब्रेक के साथ 95 अंक बनाए। हालांकि, 77 के ब्रेक सहित पंकज के 102 अंक ने फ्रेम और मैच में उनकी जीत सुनिश्चित कर दी। अपनी करीबी जीत के बाद पंकज ने कहा, गति को जारी रखना अच्छा है।

बोपन्ना-एब्डेन डच जोड़ी को हराकर दूसरे दौर में, नागल बाहर

लंदन। भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने नीदरलैंड्स के रोबिन हासे और सैंडर अरेंड्स को हराकर विम्बलडन के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने अपने डच विरोधियों को वर्षा की बाधा के बावजूद एक घंटे 11 मिनट में 7-5, 6-4 से हरा दिया। दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने ग्रास कोर्ट मेजर के शुरूआती मुकाबले में अपने विरोधियों को दबाव में रखने के लिए कोर्ट पर शानदार खेल दिखाया। बोपन्ना और एब्डेन गुरुवार को दूसरे दौर में हेंड्रिक जेबेंस और कॉन्स्टेंटिन फ्रांत्जेन की जर्मन जोड़ी से भिड़ेंगे। हालाँकि, बुधवार को अपने सर्बियाई साथी दुसान लाजोविच के साथ पुरुष युगल के पहले दौर के मैच में हारने के बाद सुमित नागल का अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हो गया।

इन दोनों को स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज और जाउम मुनार ने 6-2, 6-2 से हराया। इससे पहले, नागल को विंबलडन में अपने पहले मुख्य ड्रॉ में पुरुष एकल के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच, एन श्रीराम बालाजी और युकी भांबरी दिन के अंत में पुरुष युगल के पहले दौर में चौथी वरीयता प्राप्त सर्बियाई-सल्वाडोरन जोड़ी मेट पाविच और मासेलो अरेवालो के खिलाफ खेलेंगे।

एमसीए ने वानखेड़े में प्रशंसकों के लिए निःशुल्क प्रवेश की अनुमति दी

नई दिल्ली। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने गुरुवार शाम को भारत की टी20 विश्व कप विजय परेड के लिए वानखेड़े स्टेडियम में प्रशंसकों के लिए मुफ्त प्रवेश की अनुमति दी है। गुरुवार की सुबह राजधानी में उतरने पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास नाश्ते के लिए जाने से पहले, मैन इन ब्लू एक होटल में इकट्ठे हुए। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद टीम दिल्ली से मुंबई के लिए रवाना हो गयी। बीसीसीआई ने नरीमन पॉइंट से वानखेड़े तक 1 किमी की विजय परेड की व्यवस्था की है, जिसके बाद वानखेड़े स्टेडियम में एक छोटा समारोह होगा। मुंबई पुलिस ने यात्रियों को विजय जुलूस के दौरान इस मार्ग से बचने की सलाह दी है क्योंकि गुरुवार को दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने एक्स पर लिखा, टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 4 जुलाई

2024 को मरीन ड्राइव पर एक भव्य विजय परेड का आयोजन किया गया है। यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए आज दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक निम्नलिखित यातायात व्यवस्था रहेगी। तूफान बेरिल की वजह से देरी के कारण बारबाडोस में तीन दिनों तक फंसे रहने के बाद रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम गुरुवार सुबह दिल्ली इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। फाइनल में वापसी करते हुए, भारत ने शनिवार को बारबाडोस में एक रोमांचक टी20 विश्व कप फाइनल में पहली बार के फाइनलिस्ट दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हरा दिया।

पीएम मोदी से टीम इंडिया की मुलाकात
रोहित-द्रविड़ ने पीएम के हाथों में सौंपी ट्रॉफी

नई दिल्ली। बारबाडोस से टी20 ट्रॉफी जीतकर लौटी भारतीय टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने उनके आवास पर पहुंची। पीएम ने करीब दो घंटे तक कोच राहुल द्रविड़ समेत पूरी टीम के खिलाड़ियों से बात की। पीएम संग टीम इंडिया की मुलाकात का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सभी काफी खुश नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने टीम के प्रत्येक सदस्य से बातचीत की और उन्हें उनकी शानदार जीत के लिए बधाई दी। रोहित शर्मा ने पीएम मोदी को ट्रॉफी सौंपी और पूरी टीम ने फोटो के लिए पोज दिए। इस मौके पर बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव जय शाह भी मौजूद थे। इस मुलाकात के बाद भारतीय क्रिकेट टीम मुंबई के लिए रवाना होने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट के रास्ते पर है, जहां मरीन ड्राइव पर विक्ट्री परेड और वानखेड़े स्टेडियम में सम्मान समारोह का आयोजन होना है। मुंबई एयरपोर्ट

पहुंचने के बाद टीम वानखेड़े स्टेडियम जाएगी। बीसीसीआई ने नरीमन प्वाइंट से वानखेड़े तक एक किलोमीटर विक्ट्री परेड का आयोजन किया है, जिसके बाद वानखेड़े स्टेडियम में एक भव्य समारोह होगा। मुंबई के इस प्रतिष्ठित स्थल पर बीसीसीआई सचिव जय शाह, जो शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल के लिए बारबाडोस में मौजूद थे, भारतीय टीम को एक दशक से अधिक समय में अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने के लिए 125 करोड़ रुपये का पुरस्कार देंगे। 29 जून 2024 की रात जश्न में डूब गया, देश में दिवाली जैसा माहौल छा गया था। दिलचस्प बात यह है कि इस बार भी रोहित-कोहली अपना इमोशंस कंट्रोल नहीं कर पाए, बस फर्क इस बात का था कि इस बार यह आंसू खुशी के थे। हर भारतीय इस जीत के जश्न में डूबा हुआ था, और अब जब भारतीय टीम ट्रॉफी के साथ घर लौटी है, तो दिल्ली से लेकर मुंबई तक उनके भव्य स्वागत का इंतजाम किया गया है। बता दें, हरिकेन तूफान 'बेरिल' के आने से भारतीय टीम पिछले तीन दिनों से बारबाडोस के ब्रिजटाउन में ही फंसी हुई थी। तूफान के कारण वहां का एयरपोर्ट पूरी तरह से बंद था और हवाई सेवाएं भी स्थगित थीं। इसके बाद बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भारतीय टीम के लिए एयर इंडिया के विशेष चार्टर विमान एयर इंडिया चैंपियंस 24 विश्व कप का इंतजाम कराया। यह विमान ब्रिजटाउन के स्थानीय समयानुसार बुधवार सुबह 4.20 पर रवाना हुआ था जो नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर गुरूवार सुबह 6.15 पर पहुंचा। इस विमान में खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के अलावा उनका परिवार, बोर्ड के कुछ अधिकारी और मीडिया के भी लोग शामिल रहे।

सूर्यकुमार ने अपने नृत्य कौशल से किया मंत्रमुग्ध

नई दिल्ली। टीम इंडिया के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार सुबह आईटीसी मौर्या होटल में गर्मजोशी से हुए स्वागत समारोह के दौरान जमकर डांस करते हुए सुर्खियां बटोरीं। तूफान बेरिल के कारण बारबाडोस में तीन दिनों तक फंसे रहने के बाद भारतीय टीम बुधवार सुबह

बारबाडोस से रवाना हुई और गुरुवार की सुबह इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। भारत पहुंचने के बाद हवाई अड्डे और फिर होटल में टीम का नायक की तरह स्वागत किया गया। अपनी यात्रा में देरी और थकान के बावजूद, जब नीले रंग की जर्सी पहने खिलाड़ी आईटीसी मौर्य होटल के लिए बस में चढ़े, तो उनका उत्साह ऊंचा था, जहां भारी उत्साह के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। कप्तान रोहित शर्मा, ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज ने भी होटल के बाहर बैरल और केतली ड्रम की धुन पर अपने नृत्य कौशल दिखाए। होटल पहुंचने पर टीम का कर्मचारियों ने तालियों से उनका स्वागत किया। सूर्यकुमार को होटल के बाहर खुशी से नाचते देखा गया, जिससे प्रशंसकों और दर्शकों को काफी खुशी हुई। उत्साहपूर्ण स्वागत से रोमांचित दिख रहे खिलाड़ी विश्व कप से अपनी विजयी वापसी का जश्न मनाते हुए जश्न में शामिल हुए। आईटीसी मौर्य होटल में हुए स्वागत समारोह ने टीम की सफलता का सम्मान करने वाले समारोहों की एक श्रृंखला आयोजित करने की रूपरेखा तैयार कर दी है।

टी20 विश्व कप में भारत जिस तरह खेला वह अद्भुत थाः आईपीएल अध्यक्ष

नई दिल्ली। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने टी20 विश्व कप जीत के लिए गुरुवार को टीम इंडिया की जमकर सराहना करते हुए कहा कि मैन इन ब्लू ने इस जीत के लिए कड़ी मेहनत की। भारत ने पिछले हफ्ते पुरुषों के टी20 विश्व कप फाइनल में रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हरा दिया, जिससे देश के दूसरे टी20 विश्व खिताब के लिए उनका 17 साल का इंतजार खत्म हो गया। इसके अलावा, रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से एक प्रमुख खिताब के अपने 11 साल के सूखे को समाप्त कर दिया। अरुण धूमल ने आईएएनएस से कहा, ₹जिस तरह से भारत ने टी20 विश्व कप में खेला वह अद्भुत था। उन्होंने इसके लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की। यहां तक कि, हमने वनडे विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया, दुर्भाग्य से हम एक मैच (फाइनल) हार गए। लेकिन अब टीम विश्व चैंपियन है और हम सभी को उन पर बहुत गर्व है।" यह भारत का कुल मिलाकर चौथा विश्व कप खिताब है - 1983 में कपिल देव की टीम से लेकर 2007 टी20 विश्व कप में एमएस धोनी के यंग गन्स और 2011 में वनडे चैंपियन बनने तक।

भारत 2025 तक अंतरिक्ष व गहरे समुद्र में भेजेगा पहला मानव : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत 2025 तक अंतरिक्ष और गहरे समुद्र में पहला मानव भेजेगा। मंत्री ने कहा, भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए चार अंतरिक्ष यात्रियों - तीन ग्रुप कैप्टन और एक विंग कमांडर का चयन किया गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के गगनयान मिशन का लक्ष्य अंतरिक्ष में तीन दिवसीय मानव मिशन भेजना है। मिशन पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर परिक्रमा कर वापस लौटेगा। भारतीय वायुसेना के चार ग्रुप कैप्टन - प्रशांत बालकृष्णन नायर, अजीत कृष्णन और अंगद प्रताप तथा विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला को 2025 के लिए निर्धारित मिशन के लिए

चुना गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि भारत का डीप-सी मिशन 2025 में तीन भारतीयों को गहरे समुद्र में भेजेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) की पहल 'समुद्रयान' के नाम से जानी जाने वाली यह पहल स्वदेशी रूप से विकसित मानवयुक्त पनडुब्बी वाहन मत्स्य 6000 पर सवार होकर मध्य हिंद महासागर में 6,000 मीटर की गहराई तक जाने वाला एक चालक दल अभियान होगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की हाल की उपलब्धियों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि रॉकेट और उपग्रहों को लॉन्च करने के अलावा, अंतरिक्ष क्षेत्र कृषि, बुनियादी ढांचे, संचार, स्वास्थ्य सेवा आदि पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। उन्होंने कहा, 2022 में हमारे पास केवल एक अंतरिक्ष स्टार्टअप था और 2024 में अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने के बाद हमारे पास लगभग 200 स्टार्टअप होंगे और उनमें से कई की वैश्विक क्षमता है। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ ही महीनों में अंतरिक्ष क्षेत्र में 1,000 करोड़ रुपये का निजी क्षेत्र का निवेश आया है।

भाजपा ने शुरू की चुनाव की तैयारी
बिप्लब देब ने दिया जीत का मंत्र

रेवाड़ी। हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गईं है। राजनीतिक पार्टियों की बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। इसी कड़ी में भाजपा नेता

और हरियाणा विधानसभा चुनाव सह प्रभारी बिप्लब देब गुरुवार को रेवाड़ी पहुंचे। बिप्लब देब ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर उन्हें जीत का मूलमंत्र दिया। बिप्लब देब ने मीडिया से बातचीत में बताया कि 29 जून को गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में प्रदेश स्तर पर बैठक हुई थी। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीतियों पर चर्चा हुई। जिला स्तर पर हम लोगों की बैठक होनी है, जिसके लिए मैं आज रेवाड़ी आया हूं। इसके बाद मैं धर्मेंद्र प्रधान और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ फरीदाबाद, पलवल समेत 22 जिलों का दौरा करूंगा। बिप्लब देब ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे। सीएम विकास को गति देने के लिए निरन्तर काम कर रहे हैं। उसे आगे बढ़ाया जाएगा और संगठन में यदि कुछ कमियां हैं तो उसे मिलकर दूर किया जाएगा। मुझे भरोसा है कि तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने पार्टी में किरण चौधरी जैसे दिग्गज नेताओं के एंट्री के सवाल पर कहा कि पार्टी में सभी का स्वागत है। सभी के लिए दरवाजे खुले हैं। हरियाणा में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 3 अक्टूबर 2024 को समाप्त होने वाला है। इसके चलते 90 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा की दिल्ली में बड़ी बैठक

जम्मू। जम्मू कश्मीर में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। जिसको लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी बीच गुरुवार को भाजपा हाईकमान ने जम्मू-कश्मीर के नेताओं को बैठक के लिए दिल्ली बुलाया है। गुरुवार को देर शाम भाजपा मुख्यालय में ये बैठक होनी है। भाजपा के इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहेंगे। बैठक में विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की जाएगी। जम्मू सीट से सांसद जुगल किशोर शर्मा ने बताया कि बैठक के लिए जम्मू-कश्मीर के आलाकमान दिल्ली पहुंचेंगे। इस बैठक में पीएम मोदी, गृह मंत्री जेपी नाडा समेत कई बड़े नेता मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए

तैयार है। इस बार भाजपा जम्मू-कश्मीर से 50 से ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करेगी। जम्मू-कश्मीर में भाजपा सरकार बनाएगी। जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को जम्मू दौरे पर रहेंगे। अपने दौरे के दौरान वह जम्मू-कश्मीर के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। बता दें, लोकसभा चुनाव के बाद जेपी नड्डा पहली बार जम्मू दौरे पर जा रहे हैं। इस दौरे के दौरान लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार एनडीए की जीत होने पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। बता दें, परिसीमन के बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की कुल सीटें 114 हो गई है। इन 114 में से महज 90 सीटों पर फिलहाल चुनाव होंगे, इसके अलावा बाकी की 24 सीटें पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में आती हैं।

ग्रेटर नोएडा में मोटोजीपी होगी, सरकार और स्पेन की संस्था ने किया समझौता

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर वार्षिक मोटो जीपी रेस के आयोजन के लिए यूपी सरकार और डोर्ना स्पोर्ट्स एसएल के बीच गुरुवार को महत्वपूर्ण समझौता हुआ। 'इन्वेस्ट यूपी' की ओर से मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह तथा डोर्ना स्पोर्ट्स एसएल की ओर से कामेलो एजपेलेटा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

दो समितियों का गठन

इस महत्वपूर्ण आयोजन की निगरानी के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने दो समितियों का गठन किया है। पहली है एक उच्च स्तरीय कार्यकारी समिति, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह करेंगे। इस समिति में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के सीईओ, गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी और डोरना स्पोर्ट्स के मुख्य खेल अधिकारी शामिल होंगे। दूसरी है एक आयोजन समिति, जो उच्च स्तरीय कार्यकारी समिति को सहयोग देगी। इसमें औद्योगिक विकास प्राधिकरणों और स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ डोरना स्पोर्ट्स के मुख्य खेल अधिकारी और राज्य के कुछ जाने-माने निवेशक भी शामिल होंगे।

क्या है डोर्ना स्पोर्ट्स

डोर्ना स्पोर्ट्स वर्ष 1988 में स्थापित एक प्रतिष्ठित कंपनी है। यह दुनिया की अग्रणी मोटरसाइकिल रेसिंग चैंपियनशिप के लिए विशेष वाणिज्यिक और टीवी अधिकार धारक है। मैड्रिड, स्पेन में मुख्यालय के साथ, यह कंपनी बार्सिलोना में परिसर और रोम में एक सहायक कंपनी रखती है। डोर्ना स्पोर्ट्स खेल प्रबंधन, विपणन और मीडिया में अग्रणी है और दुनिया भर में मोटो जीपी इवेंट्स को व्यवस्थित करने में इसका लंबा अनुभव है।

क्या है इन्वेस्ट यूपी

इस समझौते को हासिल करने में 'इन्वेस्ट यूपी' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह राज्य की प्रमुख निवेश प्रोत्साहन एजेंसी है, जिसका लक्ष्य उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देना और रोजगार के अवसर पैदा करना है।

मोटो जीपी की मेजबानी के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की यह पहल राज्य को अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों और निवेशों के लिए पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह दूरदर्शी कदम न केवल पर्याप्त आर्थिक लाभ लाने, बल्कि उत्तर प्रदेश की वैश्विक स्थिति को भी उन्नत करने के लिए तैयार है।

नोएडा प्राधिकरण ने रोके प्रोजेक्ट को दी हरी झंडी, लेकिन 11 हजार करोड़...

नोएडा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के अनुपालन में नोएडा प्राधिकरण ने यूनिटेक समूह की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए भूमि पार्सल के लेआउट को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह निर्णय न्यायालय द्वारा अपने एक वर्ष पुराने आदेश में किए गए संशोधन के परिणामस्वरूप लिया गया है, जिसमें प्राधिकरण को निर्देश दिया गया था कि वह यूनिटेक को आवंटित संपूर्ण भूमि पर संशोधित लेआउट योजनाओं को बिना किसी बकाया राशि की वसूली के मंजूरी प्रदान करे। 11 हजार करोड़ रुपये बकाया यूनिटेक पर लगभग 11 हजार करोड़ रुपये का भारी-भरकम बकाया है, जो इस मामले को और भी जटिल बना देता है। 26 अप्रैल को जारी किए गए नवीनतम आदेश में सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल नोएडा प्राधिकरण को बकाया राशि पर जोर न देने का निर्देश दिया, बल्कि यूनिटेक को आवंटित कुल भूमि को दो प्रमुख खंडों में विभाजित करने का भी आदेश दिया। पहला खंड उन क्षेत्रों से संबंधित है जहां घर खरीदारों को पहले ही फ्लैट और प्लॉट आवंटित किए जा चुके हैं, जबकि दूसरा खंड उन क्षेत्रों को समाहित करता है जहां परियोजनाएं अभी शुरू होनी हैं। कुल 443 एकड़ भूमि न्यायालय के निदेर्शानुसार, प्राधिकरण को पहले खंड के लेआउट को स्वीकृति देने का आदेश दिया गया था, जिसमें वे परियोजनाएं शामिल हैं जो 31 मई तक लॉन्च की गई थीं। प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, यूनिटेक के पास तीन विभिन्न खंडों में कुल 443 एकड़ भूमि है। इसमें से 246 एकड़ पर विभिन्न परियोजनाओं के लिए लेआउट की मंजूरी दी जा चुकी है, जबकि शेष 197 एकड़ भूमि अभी भी खाली पड़ी हुई है। तीन प्रमुख परियोजनाएं सेक्टर-96, 97, और 98 में यूनिटेक ने तीन प्रमुख परियोजनाएं- एम्बर, बरगंडी, और विलो 1 और 2- शुरू की थीं। इन परियोजनाओं में कुल 638 घर खरीदार शामिल हैं, जिनमें से 178 ने अपनी राशि वापस मांगने का निर्णय लिया था।

साइकिल वालों का जलवा, जब आधा घंटे में उठ गया फूल वालों का मलबा

फूल वाले देवतुल्य के साथ जुल्म ये हुया कि तीन दुकान इधर और तीन दुकान उधर की छोड़कर बीच में बनी सिर्फ उसकी दुकान पर ही वार हुया। फूल वाले देवतुल्य की बंद दुकान का शटर तक उखड़ गया लेकिन फूल सियासत खामोश रही ना कोई खटर पटर हुई और कुछ उखड़ने का तो कोई सवाल ही नही था। अरे जब विधायक और मेयर की 4 जून से 4 जुलाई आ गई और कुछ ना उखड़ा तो कार्यकर्ता के शटर उखड़ने से तो भला किसी का क्या ही उखड़ता। खैर देवतुल्य हताशा में और फूल वाले तमाशा देख रहे थे। तब साईकिल वालों के युवा तुर्क फ्रंट पर आये। वो तो पहले भी मोर्चा खोल चुके हैं। फूल वालों के लोकसभाई सर साहब से लेकर फूल वालों की सरकार के सरकारी साहब यानि अफसर के खिलाफ लोहा लिया और जेल भी गये। हुकूमत भले ही फूल वालों की हो लेकिन जलवा समाजवादियों का ही दिखा। समाजवादी ने फोन किया और साहब के पीए को बता दिया कि बता देना हमारा फोन था। एक दिन का समय तुम्हारे पास हैं फिर हम निगम में ही धरना देगें। सही में जलवा ही साईकिल वालों का हैं जब उनके एक फोन पर आधा घंटे में वो मलबा उठा जो पांच दिन से नही उठ रहा था।

मत निकालो उनमें कोई खोट क्योंकि तुमने नहीं दिए हैं उन्हें वोट

सियासत में फूल वालों की लहर वालों का कहरअब पूरा शहर देख रहा है। ये भी देख रहे हैं कि जिन्हे जन का प्रतिनिधित्व करना था वो तो जन की शिकायतें कर रहे हैं। जन भी अब उन पर धन के एलीगेशन लगा ही रही है किस्सा इस बात को लेकर चला कि जब वोट देकर चुना है तो तभी केयरफुल रहना चाहिये था। कहने वाले ने कहा कि किसी जन के प्रतिनिधि की कोई गलती नही है। उनका फाल्ट तब मानते जब वो तुम्हारे घर आकर अपने काम के नाम पर,अपनी छवि के नाम पर वोट मांगते। ना तो उन्होने अपने नाम पर वोट मांगे और ना ही पब्लिक ने उनके नाम पर वोट दिये। जब वोट दिये हैं साधु फकीर के नाम पर तो फिर अब लकीर पीटने से क्या फायदा। जब उनके नाम पर,उनके काम पर वोट दिये ही नही है तो भईया अब उनमें खोट भी मत निकालो।

नहीं ओपन करेंगे अपनी सपोर्ट लेकिन मंत्री विधायक डालेंगे वोट

हिन्दुस्तान की राजनीति में ये तो पहले से ही कहा जाता है कि इधर की सियासत की विरासत ही मास्टरों और वकीलों के नाम हैं। गाजियाबाद की कचहरी में जब वकीलों वाला चुनाव होगा तो इसका मुलाहिजा देखने को मिलेगा। सरकार के चार विधायक सरकार के दो मंत्री भले ही अपनी सपोर्ट को ओपन ना करें लेकिन वो वोट डालने आयेगें। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा अधिवक्ता हैं,राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप अधिवक्ता हैं और लोनी विधायक तथा मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी भी अधिवक्ता हैं। गाजियाबाद की कचहरी में मतदान वाले दिन इस बात को लेकर वकील प्राऊड फील कर सकते हैं कि सूबे की सियासत में,प्रदेश की सत्ता में गाजियाबाद के चार विधायक ,सरकार के दो मंत्री तो गाजियाबाद के अधिवक्ता परिवार से ही हैं।

होटल में बीयर पिलाकर किया रेप विरोध करने पर दी हत्या की धमकी

नोएडा। नोएडा में एक महिला ने अपने जीजा पर रेप का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि जीजा उसे एक होटल में ले गया और वहां उसने बीयर पिलाकर उसके साथ रेप किया। जब उसने विरोध किया तो हत्या की धमकी दी। इस मामले के दो वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

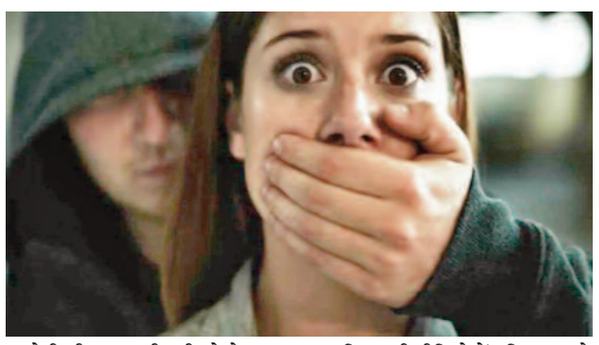

जीजा ने कराई थी शादी

पीड़ित महिला थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के एक इलाके में रहती है। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि करीब एक साल पहले जीजा ने उसकी शादी कराई थी। पिछले दिनों पति से उसका विवाद हो गया। सूचना पर जीजा उसके घर पहुंचा और साली को मायके के लिए निकल पड़ा। इस बीच महिला के पति को पता चला कि आरोपी जीजा उसकी पत्नी को सेक्टर-71 स्थित होटल में ले गया। जब वह होटल पहुंचा तो देखा कि पत्नी अपने जीजा के साथ होटल से निकलकर कार में कहीं जा रही है। इस बीच उसने पत्नी को रोक लिया। जहां पत्नी के जीजा और पति के बीच खूब गाली-गलौच हुई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जबकि दूसरी वीडियो में महिला अपने जीजा पर बीयर पिलाकर रेप का आरोप लगा रही है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि महिला की शिकायत पर पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है। महिला के पति और जीजा से पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने 87 को रोका, 18 निकली अनफिट

नोएडा। नोएडा में गुरुवार को ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के अफसर एक्शन में दिखे। अफसरों ने करीब 87 स्कूल बसों को रोककर चेकिंग की। इस दौरान 18 बसें अनफिट निकली। बताया जा रहा है अनफिट बसों में बहुत सी ऐसी बसें थी कि जो कभी भी हादसे का शिकार हो जाए। चेकिंग के दौरान अफसरों ने बसों में सवार छात्रों को भी जागरूक किया।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में हुई चेकिंग

बताया जा रहा है ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के अफसरों ने गुरुवार को स्कूल बसों की चेकिंग की। यह चेकिंग नोएडा के सेक्टर 62, परी चौक, नौलीज पार्क, सूरजपुर, सेक्टर-135 में प्रवर्तन दलों द्वारा की गई। इस दौरान प्रवर्तन अधिकारियों ने टेंपो और ई-रिक्शा की चेकिंग की। यहां कई चालक बिना ड्राइविंग लाइसेंस और बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाते मिले। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. उदित नारायण पांडेय ने बताया कि ऑटो और ई-रिक्शा छात्रों के आवागमन के लिए सुरक्षित नहीं हैं। सुरक्षा के लिए ग्रिल और बंद घेरा न होने के कारण इनमें स्कूली बच्चों को ले जाना जोखिम भरा है। साथ ही क्षमता से अधिक बच्चों को ले जाने से दुर्घटना की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। डॉ. पांडेय ने बसों के अंदर जाकर विद्यार्थियों से

बात की। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि यदि चालक वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करता है, तेज गति से वाहन चलाता है या अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करता है तो वे इसकी सूचना स्कूल व अभिभावकों को अवश्य दें।

बरतें पूरी सावधानी

उन्होंने बताया कि बच्चों को अपने शरीर, हाथ या सिर का कोई भी हिस्सा बस से बाहर नहीं निकालना चाहिए और चलती बस में चढ़ते या उतरते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। चलती बस में चढ़ना या उतरना खतरनाक है। पैदल सड़क पार करते समय पहले रुकें, देखें और सुरक्षित होने पर ही सुरक्षित स्थान, जेब्रा क्रॉसिंग से सड़क पार करें।

तेजाबयुक्त राख के भराव से लोगों का जीना दुश्वार

लोनी, करंट क्राइम। धामा एन्क्लेव कॉलोनी में एक व्यक्ति अपने खेत में ढलाई की भट्ठियों से निकलने वाली तेजाब और केमिकलयुक्त राख का भराव करा रहा है। बारिश होने पर इस राख से तेजाब की दमघोटू दुर्गन्ध दूर दूर तक फैल जाती है और लोगों का सांस लेना दूभर हो जाता है। जबकि आस पास के पेड़ पौधे जल गए हैं और लोग बीमार हो रहे हैं। धामा एन्क्लेव कॉलोनी के लोगों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि उनकी कॉलोनी के पास एक व्यक्ति का करीब 16 बीघा खेत पड़ा हुआ है। खेत पहले से ही गहरे गड्ढे में था। आरोप है कि गत करीब तीन वर्षों से खेत मालिक ढलाई, जिंक निकिल पॉलिश तथा अन्य प्रदूषणकारी फैक्टरियों से निकलने वाली राख का भराव करा रहा है। बारिश होने पर राख से तेजाब की तेज दमघोटू दुर्गन्ध दूर दूर तक फैल जाती है जिससे लोगों का सांस लेना दूभर हो जाता है। जबकि गर्मी के दिनों में तेज हवा चलने पर राख उड़कर आस पास के घरों तक पहुंच जाती है। तेज चुभन और खुजली होने लगती है। आरोप है कि आसपास उगे पेड़ पौधे जल गए हैं तथा वातावरण जहरीला हो गया है जिसकी चपेट में आकर हजारों लोग बीमार हो रहे हैं। लोगों ने समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

प्राधिकरण और प्रशासन कर रहा है जांच, अब चलेगा योगी का बुलडोजर

नोएडा। हाथरस हादसे के बाद से सूरजपाल जाटव उर्फ भोले बाबा फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने अब बाबा के संपत्ति को खंगालना शुरू कर दिया है। अब तक की जांच में नोएडा के नया गांव इलाके में बाबा का आलीशान आश्रम का पता चला है। इस आश्रम को लेकर प्राधिकरण और जिला प्रशासन की टीम जांच कर रही है। अब तक की जांच में आश्रम को अवैध बताया जा रहा है। कहा जा रहा है कि जल्द ही इस अवैध आश्रम पर सीएम योगी का बुलडोजर चलेगा।

दिल्ली के कारोबारी ने आश्रम बनाकर किया दान

बुधवार से नोएडा प्राधिकरण और जिला प्रशासन की टीम पर आश्रम की जांच कर रही है। अब तक की जांच में पता चला है कि दिल्ली के एक बड़े कारोबारी ने आश्रम बनाकर हाथरस वाले बाबा को दान किया है। इस आश्रम का पूरी देखरेख भी कारोबारी ही करता है। नोएडा पुलिस का कहना है कि आश्रम दिल्ली के किसी पूरनमल नामक व्यक्ति का है। वहीं, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी यह जांच करने में लगे हुए हैं कि आश्रम का निर्माण किस भूमि पर हुआ। अब तक की जांच में निर्माण अवैध पाया गया है।

सेवादार ने बताई घटना

आश्रम में मौजूद हिमांशु ने बताया कि हम लोग भी हाथरस में समागम में शामिल होने गए थे। बाबा 12:00 बजे आए और 1:30 बजे चले गए। उनके जाने के बाद जब संगत बाहर निकली तो उनके साथ काफी भीड़ थी। पुलिस की संख्या बहुत कम थी, उनके जाने के बाद यह घटना हुई। हिमांशु ने दावा किया कि ऐसा कहा जा रहा है कि लोग प्रभु की धूल लेने गए थे, ऐसा कुछ नहीं हुआ। वह किसी से मिलते नहीं, वह सिर्फ मंच से संबोधन करते हैं। उनके ठहरने की तारीखें समिति के सदस्यों ने तय की हैं।

14 जुलाई 2022 नोएडा आया था बाबा

नोएडा में उनके ठहरने की तारीखें भी समिति के सदस्यों ने तय की हैं, लेकिन वह नोएडा आने से इनकार करते हैं। अब तक वह सिर्फ एक बार यहां आए हैं। नोएडा आश्रम में मौजूद हिमांशु ने कहा कि इस आश्रम को बने करीब 2 साल हो गए हैं। गुरुजी 14 जुलाई को आए थे, उसके बाद वह कभी नहीं आए।

करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनगर भाजपा मंडल मंत्री अनिल अरोड़ा को उनके जन्मदिन पर सहकारिता क्रय विक्रय सहकारी समिति के चेयरमैन वीरेन्द्र सारस्वत ने उनकी लंबी आयु उत्तम स्वास्थ की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर ओम प्रकाश भोला तथा तरुण खन्ना भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शातिर अपराधी तमंचे के साथ गिरफ्तार

लोनी, करंट क्राइम। अंटी में तमंचा लगाकर लोगों पर रौब गालिब कर रहे अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। एसीपी सूर्यबली मोर्या ने बताया कि लोनी की आशियाना सिटी कॉलोनी निवासी वाजिद शातिर किस्म का अपराधी है उसके विरुद्ध लोनी थाने में आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी को गुरुवार को अशोक विहार चौकी क्षेत्र से तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया।

पैदल गश्त के नाम पर हो रहा है खेल

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पैदल गश्त वाली फोटो तो रोजाना आती है, पर इस गश्त की हकीकत क्या है। यह है तो उनके सर्किल और जोन वाले अधिकारी भली भांति जानते ही हैं। सुनने में आया है कि लंबा अरसा हो गया जिनको गश्त की हकीकत और व्यवस्था देखनी थी, वह इस पर नजर डालने नहीं आए। उधर पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि गश्त के नाम पर खेल तो महीनों से चल रहा है। भीषण गर्मी वाले मौसम में भी पुलिस की गश्त वाली फोटो में वर्दी सूखी रहती है और पसीना नजर नहीं आता जो बताता है कि उमस भरी गर्मी में पुलिस ने कितनी मेहनत की जो उनकी वर्दी तक गीली नहीं हुई है। उधर पुलिस के सूत्र बता रहे हैं कि हाथरस वाला कांड होने के बाद गश्त को लेकर कुछ दिन अलर्टनेस रह सकती है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाली सोशल मीडिया भी गश्त की फोटो पर कुछ ही एसओ और एसएचओ पर मेहरबानी करती है। कई प्रभारी तो ऐसे हैं कि महीनों से उनकी सोशल मीडिया पर फोटो ही नहीं आई और कई पर इतनी कृपा है कि 9 वाले फोटोफ्रेम में तीन से चार फोटो एक ही प्रभारी की दशायी जाती हैं। अब ऐसा किस टेक्निकल रीजन से हो रहा है या इसके पीछे का मैनेजमेंट कुछ और है यह तो सोशल मीडिया वाले ही बता सकते हैं, पर सूत्र बता रहे हैं कि सोशल मीडिया वालों पर भी मामला बहुत प्रेशर वाला चल रहा है। उनपर ही गाड़ी का गेट खोलने से लेकर सर्विलांस की सेटिंग और पब्लिक रिलेशन ऑफिसर वाली भूमिका से लेकर मैनेजमेंट वाला सिस्टम उन्हीं को बैठना पड़ रहा है। ऐसे में इतनी जिम्मेदारी संभालते हुए किस-किस स्तर पर ध्यान रखा जाए उनके लिए संभव नहीं हो पा रहा है। बीते दिनों चार दिन की छुट्टी ली थी, उसमें भी फोन पर काम करना पड़ा। माहौल ऐसा लग रहा था मानो वर्क फ्रॉम होम हो। वहीं पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि डीसीपी स्तर के साहब लोगों की फोटो पैदल गश्त की आनी बेहद कम हो गई है कभी रेलवे स्टेशन तो कभी मॉल में नजर आने वाले साहब लोग इन दिनों सोशल मीडिया की सोशल पुलिसिंग से भी दूर ही बताएं जा रहे हैं। कुल मिलाकर आने वाला समय एक के बाद एक बड़े त्योहार और आयोजनों का है। ऐसे में अगर गश्त वाली व्यवस्था पास तो हो जाएगी, तो मामला टाइट भी हो सकता है। देखना होगा आने वाले दिनों में गश्त को लेकर क्या मुस्तैदी दिखाई देती है।

सुसाइड नोट में लिखी ऐसी बात परिवार में मच गया कोहराम

नोएडा। नोएडा में एक 19 वर्षीय छात्र ने खौफनाक कदम उठाते हुए अपनी जान देदी। छात्र ने पंखे से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इस कदम से पहले छात्र ने एक सुसाइड नोट लिखकर परिवार के लिए छोड़ा है। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

परिवार कर रहा था पढ़ाई के लिए मजबूर

पुलिस के मुताबिक 19 वर्षीय मनीष कुमार परिवार के साथ रहता था। मनीष एक कॉलेज से बीबीए की पढ़ाई कर रहा था। बुधवार रात उसने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर जान देदी। सूचना पर पहुंची थाना सेक्टर 24 पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला। इसमें लिखा है कि वह पढ़ना नहीं चाहता था, उसका पढ़ाई में बिल्कुल भी मन नहीं लगता था, लेकिन परिजन उसे जबरन पढ़ाई के लिए मजबूर कर रहे हैं। इसी कारण वह सुसाइड कर रहा हे।

पुलिस का बयान

इस संबंध में पुलिस का कहना है कि छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके से मिले सुसाइड नोट को कब्जे में लिया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

किशोरी के अपहरण में नामजद युवक गिरफ्तार

लोनी, करंट क्राइम। पुलिस ने किशोरी के अपहरण में नामजद आरोपी के विरुद्ध मुकदमे को नाबालिक के साथ दुष्कर्म की धाराओं में तरमीम किया है। जबकि किशोरी को एक जुलाई को ही बरामद कर लिया गया था और आरोपी को भी गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि लोनी बॉर्डर थाने की एक कॉलोनी से 14 वर्षीय किशोरी को कॉलोनी का ही नितिन बहला फुसलाकर भगा ले गया था। एक जुलाई को किशोरी को बरामद कर पूछताछ की गई तो किशोरी ने अपने साथ दुष्कर्म किए जाने की बात बताई जिसके बाद 366 में दर्ज मुकदमे को 376 तथा पाक्सो एक्ट में तरमीम किया गया था। चार जुलाई को आरोपी नितिन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कई जिलों में फैला रखा था जाल पुलिस ने 7 बाइक बरामद कीं

हापुड। जिले की स्वाट टीम और थाना हाफिजपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने वाहन चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश कर दिया है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर चोरी की 7 बाइक और एक स्कूटी बरामद की गई है। आरोपी रेकी कर वाहन चोरी की घटना को अंजाम देते थे। पिलखुवा सर्किल की डीएसपी स्तुति सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले की स्वाट और थाना पुलिस की संयुक्त टीम अपराध की रोकथाम और वाहन चोरों/वांछितों की तलाश में चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि गाजियाबाद की ओर से चितौली अंडरपास के रास्ते से वाहन चोरी करने वाले गिरोह के सदस्य आ रहे है। पुलिस टीम ने मौके पर जाकर चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। तभी पुलिस को दो बाइक सवार कुछ संदिग्ध आते नजर आए।पुलिस ने आरोपियों को रुकने का इशारा किया तो आरोपी भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया और थाने ले आई।

यह हैं पकड़े गए आरोपी

थाना प्रभारी हाफिजपुर आशीष कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपी मेरठ जिले के थाना मुंडाली का अजय, माजिद उर्फ चूंहा, गांव ललियाना माजिद है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से सात बाइक, एक स्कूटी, फर्जी नंबर प्लेट और एक अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपी शातिर अपराधी हैं। जिनके खिलाफ बिजनौर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, शाहजहांपुर में डकैती, चोरी, गैंगस्टर एक्ट आदि से संबंधित तीन दर्जन मुकदमें दर्ज हैं। इस गिरोह के सदस्य एनसीआर क्षेत्र और अन्य जिलों से वाहनों को चोरी कर वाहनों की नंबर प्लेट बदलकर बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे।

एससीओ सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री का संदेश

आतंकवाद वैश्विक और क्षेत्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा : मोदी

अस्ताना। आतंकवाद को किसी भी रूप में सही नहीं ठहराया जा और अंतरराष्ट्रीय जगत को आतंकवाद को पोषित करने वाले देशों को अलग-थलग कर देना चाहिए। कजाखस्तान की अध्यक्षता में अस्ताना में हो रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में पीएम मोदी की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ये बात कही। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद से लड़ाई को प्राथमिकता देने की भी मांग की और कहा कि एससीओ का यही लक्ष्य होना चाहिए।

पीएम मोदी ने जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंता जाहिर की

'आतंकवाद से लड़ाई प्राथमिकता' : प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, 'शंघाई सहयोग संगठन एक सिद्धांत आधारित संगठन है, इसके सदस्य देशों की आपसी सहमति से चलता है। इस बार ध्यान देने वाली बात है कि सभी सदस्य देशों ने एक दूसरे देशों की संप्रभुता, आजादी और क्षेत्रीय एकरूपता, समानता का सम्मान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के अंदरूनी मामलों में दखल नहीं देने पर जोर दिया गया है।' प्रधानमंत्री ने आतंकवाद से लड़ाई को प्राथमिकता देने की भी मांग की और कहा कि एससीओ का यही लक्ष्य होना चाहिए।

आतंकवाद को पोषित करने वाले देशों के खिलाफ हो कार्रवाई : प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर आतंकवाद की समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह वैश्विक और क्षेत्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। सीमापार आतंकवाद, आतंकवाद को वित्तपोषण और नए लोगों की भर्ती के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उन देशों को बेनकाब करना चाहिए, जो आतंकवाद का पोषण करते हैं और आतंकवादियों की सुरक्षित पनाहगाह बने हुए हैं। युवाओं में कट्टरपंथ फैलने से रोकने के लिए भी कदम उठाए जाने चाहिए। माना जा रहा है कि पीएम मोदी ने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर निशाना साधा है क्योंकि पाकिस्तान की तरफ से लगातार सीमापार से आतंकियों को भारत भेजा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में जलवायु परिवर्तन को लेकर भी चिंता जाहिर की और कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में काम करने की जरूरत बताई। भारत साल 2017 में कजाखस्तान की अध्यक्षता के दौरान ही एससीओ का सदस्य बना था। पीएम मोदी ने उसे याद करते हुए कहा कि भारत अब एससीओ सम्मेलन की अध्यक्षता भी कर चुका है।

उन्होंने कहा कि एससीओ का विदेश नीति में अहम स्थान है। एससीओ सम्मेलन में शामिल होने के लिए पीएम मोदी ने ईरान को बधाई दी।

ब्रिटेन चुनाव: बड़ी संख्या में जीत सकते हैं भारतवंशी, 'ब्रिटिश फ्यूचर' थिंक टैंक ने जताई उम्मीद

लंदन। ब्रिटेन में बृहस्पतिवार को होने वाले आम चुनाव के भीतर देश के इतिहास में अब तक की सबसे अलग संसद देखने को मिल सकती है। पंजाब मूल के 20 से अधिक उम्मीदवार मैदान में हैं तो 10 लाख वोटर भी हैं।

इस बार कई भारतवंशी सांसदों की जीत का अनुमान है। ह्यब्रिटिश फ्यूचरह्न थिंक टैंक के एक विश्लेषण के अनुसार, यदि लेबर पार्टी बहुमत में आई तो उसमें जातीय अल्पसंख्यक सांसदों की अब तक की सर्वाधिक संख्या हो सकती है। ब्रिटिश फ्यूचर के निदेशक सुंदर कटवाला ने कहा, इस

बार कंजर्वेटिव सांसद आलोक शर्मा, लेबर से वीरेंद्र शर्मा, सिख प्रत्याशी संगीत कौर,जगिंदर सिंह प्रमुख होंगे। प्रफुल्ल नागुंड, जस अथवाल, भी अहम हैं।

सुनक बोले, लेबर पार्टी का सर्वोच्च बहुमत रोकें : पीएम ऋषि सुनक ने मतदान से एक दिन पूर्व चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कहा, लेबर पार्टी के सर्वोच्च बहुमत को रोकें। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि अधिकांश मौजूदा कंजर्वेटिवों ने आम तौर पर हार मान ली है। जबकि हमें एकजुट होने की जरूरत है।

हमें लेबर का बहुमत रोकने की जरूरत है, क्योंकि यह आपके करों को बढ़ाएगा। यदि कर-वृद्धि रोकना है तो उसका एकमात्र तरीका बृहस्पतिवार को कंजर्वेटिव के पक्ष में मतदान करना है।

अस्ताना में चीनी समकक्ष वांग यी से मिले जयशंकर

सीमा विवाद सुलझाने के प्रयास बढ़ाने पर जताई सहमति

अस्ताना। विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में को मुलाकसत की। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में जारी सीमा विवाद के बीच दोनों देशों के विदेश मंत्री शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर मिले। दोनों ने पूर्वी लद्दाख में मुद्दों को हल करने के लिए कूटनीतिक और सैन्य चैनलों के जरिए प्रयासों को बढ़ाने पर सहमति जताई।

जयशंकर ने वांग को बताया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सम्मान और सीमा क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करना आवश्यक है। विदेश मंत्री ने भारत के इस दृढ़ दृष्टिकोण की भी दोहराया कि दोनों देशों के बीच संबंध आपसी सम्मान, हित और संवेदनशीलता पर आधारित होने चाहिए। जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा कि आज सुबह अस्ताना में सीपीसी पोलित ब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। सीमा क्षेत्रों में शेष मुद्दों के शीघ्र समाधान पर चर्चा की। इस दिशा में कूटनीतिक और सैन्य चैनलों के जरिए प्रयासों को दोगुना करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि एलएसी का सम्मान करना, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना आवश्यक है। परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और परस्पर हित हमारे द्विपक्षीय संबंधों का मार्गदर्शन करेंगे।

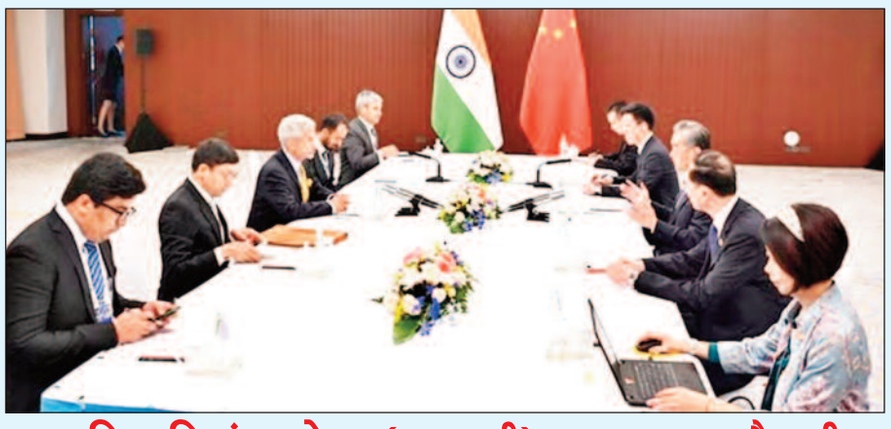

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का सम्मान और सीमा क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करना आवश्यक : जयशंकर

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों मंत्री इस बात पर सहमत हुए कि सीमा क्षेत्रों में वर्तमान में जो हालात हैं, उन्हें लंबा खींचना किसी के भी हित में नहीं है। विदेश मंत्री ने पूर्वी लद्दाख में शेष क्षेत्रों से सैनिकों को पूरी तरह से हटाने और सीमा पर शांति बहाल करने के प्रयासों को दोगुना करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि द्विपक्षीय संबंधों के सामान्य होने की राह में जो भी बाधाएं हैं वे दूर हों।

भारत और चीन के मध्य पूर्वी लद्दाख में जारी सीमा विवाद के बीच इन नेताओं के बीच यह बैठक हुई है। भारत और चीन की सेनाओं के बीच मई 2020 से गतिरोध जारी है। हालांकि, दोनों पक्ष टकराव वाले कई क्षेत्रों से पीछे हटे हैं लेकिन सीमा विवाद का पूर्ण समाधान अब तक नहीं हो पाया है। गलवान घाटी में जून 2020 में दोनों देशों के सैनिकों के बीच घातक झड़प हुई थी जिसमें बड़ी संख्या में दोनों ओर के सैनिक हताहत हुए थे।

दोनों पक्षों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए पिछली बातचीत फरवरी में हुई थी।

रूसी विदेश मंत्री से भी की मुलाकात : इससे पहले, जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ मुलाकात की थी। जयशंकर ने इस मुलाकात में रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे भारतीयों की वतन वापसी का मुद्दा उठाया था। साथ ही पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अगले हफ्ते मास्को में होने वाली भारत-रूस शिखर बैठक के एजेंडे पर भी बात हुई।

जयशंकर ने एक्स पर लिखा, 'अस्ताना में विदेश मंत्री लावरोव से मुलाकात हुई।

पाकिस्तान में धोखेबाजों और चोरों का शासन : बुशरा बीबी

इस्लामाबाद। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने बुधवार को पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान में अब धोखेबाजों और चोरों का शासन है। देश और इसकी सेना को बदनामी के लिए शहबाज शरीफ सरकार जिम्मेदार है। बुशरा बीबी फरवरी से रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। वहीं, उनके पति और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक इमरान खान भी पिछले साल से इसी जेल में बंद हैं। एक पाकिस्तानी अखबार की खबर के मुताबिक, बुशरा बीबी ने कहा है कि संघीय सरकार देश और इसकी सेना की बदनामी के लिए जिम्मेदार है। खबर के मुताबिक अदियाला जेल में पत्रकारों से बात करते हुए बीबी ने कहा,

'सेना की बदनामी के लिए शहबाज सरकार जिम्मेदार'

अखिरत (देवलोक) में दो जगहें हैं: एक आलिम बरजख- जहां मत्तकी (धर्मी लोग) और परहेजगार (परहेज करने वाले) हैं। जबकि दूरी जेल है, जहां आत्माएं धरती पर आती हैं। जहां एक ऐसी जगह है जिसमें (धरती में) शैतानों की सरकार है। अखबार के मुताबिक, बुशरा बीबी ने कहा कि देश में धोखेबाजों और चोरों की सरकार है। उन्होंने सरकार में शामिल हर व्यक्ति को शैतान करार दिया। इमरान खान ने पहले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली मौजूदा संघीय सरकार पर अवैध होने का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-ए) पार्टी पर आठ फरवरी को हुए आम चुनावों में अपना जनादेश चुराने का आरोप लगाया था। इन चुनावों में अधिकांश पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी।

इद्दत मामले में 12 जुलाई को सुनवाई करेगी अदालत : पाकिस्तान की एक अदालत ने बुधवार को कहा कि वह अवैध विवाद मामले में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ इमरान और बुशरा की अपीलों पर 12 जुलाई को फैसला सुनाएगी। एक अदालत ने बुशरा के पूर्व पति खावर फरीद मेनका की शिकायत पर दंपति को इद्दत मामले में दोषी ठहराया था।

पाक में अफगान सीमा के पास बम विस्फोट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अफगान सीमा के पास विस्फोट में एक पूर्व सीनेटर सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि आतंकवादियों ने पूर्व सीनेटर की कार को रिमोट नियंत्रित बम से निशाना बनाया था। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि विस्फोट के लिए किस विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। हमले के पीछे कौन था। हालांकि, किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने भी इसमें शामिल होने से इनकार किया है।

उपचुनाव लड़ रहे पूर्व सीनेटर सहित पांच की मौत

जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान में 11 जुलाई को उपचुनाव होना है, जिसमें पूर्व सीनेटर हिदायतुल्ला खान बतौर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे।

खतरे में पीएम पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की सत्ता

आठ मंत्रियों ने सामूहिक रूप से दिया इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल में सीपीएन-यूएमएल के मंत्रियों ने सामूहिक रूप से सरकार से इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल को औपचारिक रूप से मंत्रिमंडल से बाहर निकलने और समर्थन वापस लेने के लिए आठ मंत्रियों ने इस्तीफा सौंप दिया।

एक दिन पहले देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी ने पूर्व गुरिल्ला नेता के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार को बदलने के लिए सीपीएन-यूएमएल के साथ सत्ता साझा करने का समझौता किया है। वहीं नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय कार्य निष्पादन समिति ने मौजूदा राजनीतिक स्थिति और पार्टी की भविष्य की रणनीति पर चर्चा करने के लिए बुधनीलकांठा में पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के आवास पर बैठक की। बता दें कि पार्टी की प्रमुख समिति की बैठक नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष के. पी. शर्मा ओली की तरफ से प्रधानमंत्री प्रचंड के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन को बदलने के लिए और नई सरकार बनाने के लिए सोमवार को एक समझौते को अंतिम रूप देने के एक दिन बाद हुई है।

प्रधानमंत्री दहल के पास 275 में से मात्र 32 सीटें

प्रधानमंत्री को रास्ता साफ करना चाहिए- महत : इस बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा, प्रधानमंत्री को रास्ता साफ करना चाहिए, क्योंकि सबसे बड़ी पार्टियों - नेपाली कांग्रेस और यूएमएल - ने कहा है कि वे मिलकर नई सरकार बनाएंगे। जबकि अन्य पार्टियां भी नए नेपाली कांग्रेस-यूएमएल गठबंधन का समर्थन कर रही हैं। इसलिए, नेपाली कांग्रेस सीडब्ल्यूसी ने प्रधानमंत्री से रास्ता साफ करने का अनुरोध किया है,

महत ने आगे कहा कि यदि प्रधानमंत्री नई सरकार के गठन के लिए रास्ता साफ नहीं करते हैं तो संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से नई सरकार बनाई जाएगी। बता दें कि, संकटग्रस्त प्रधानमंत्री प्रचंड ने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है और कहा है कि वह संसद में विश्वास मत का सामना करना पसंद करेंगे। नेपाली संवैधानिक प्रावधान के अनुसार, सदन में बहुमत खोने वाले प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर बहुमत साबित करना होगा। यह पांचवीं बार होगा जब प्रधानमंत्री प्रचंड डेढ़ साल के कार्यकाल के भीतर विश्वास मत मांगेंगे।

अमिताभ ने तीसरी शेरपाओं की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का किया नेतृत्व

रियो डी जनेरियो। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने रियो डी जनेरियो में तीसरी जी20 शेरपा बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया, 'भारत के जी 20 शेरपा अमिताभ कांत ने रियो डी जनेरियो में तीसरी जी20 शेरपा बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। जी20 शेरपाओं की बैठक में कांत ने अन्य बातों के अलावा आर्थिक वृद्धि और सतत विकास पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया।'

रणधीर जायसवाल ने आगे कहा, 'उन्होंने ब्राजील की जी20 अध्यक्षता की प्राथमिकताओं का समर्थन करते हुए आर्थिक वृद्धि, सतत विकास, वित्त और ऊर्जा संक्रमण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जी20 के महत्व पर प्रकाश डाला।'

जी20 डेवलपमेंट वर्किंग ग्रुप की बैठक : इससे पहले मार्च में, ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) जी20 अभय ठाकुर ने 18-19 मार्च को ब्रासीलिया में जी20 डेवलपमेंट वर्किंग ग्रुप की बैठक में भाग लिया था।

दहशतगर्दी का गढ़ बन चुका पाकिस्तान अब खुद कर रहा आतंक की शिकायत

आस्तान। कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक जारी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर के सामने भारत के खिलाफ जहर उगला है। उन्होंने भारत का नाम लिए बगैर कहा कि 'राज्य आतंकवाद' की आलोचना की जानी चाहिए। यही नहीं, उन्होंने संगठन के सदस्य देशों से अफगान तालिबान सरकार के साथ 'सार्थक बातचीत' का भी आह्वान किया।

अफगान तालिबान को भी बातचीत में शामिल करें: शहबाज शरीफ

संसद सत्र के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक में शामिल नहीं हुए हैं। विदेश मंत्री जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हालांकि, प्रधानमत्री मोदी ने डिजिटली इस बैठक को संबोधित किया है। चीन, भारत, तुर्की, ईरान, अजरबैजान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान सहित कई देशों के नेता और राजनयिक आर्थिक व सुरक्षा सहयोग पर चर्चा करने के लिए अस्ताना में एकत्र हुए हैं।

पाकिस्तान के एक प्रमुख समाचार पत्र की खबर के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि आर्थिक विकास के लिए पहली शर्त क्षेत्र में शांति बनाए रखना है। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान में स्थायी शांति हासिल करना इस साझा उद्देश्य की आधारशिला है।

जमैका में आए बेरिल तूफान ने मचाया तांडव, नौ लोगों की मौत

जमैका। कैरेबियन देश जमैका में बुधवार दोपहर आए बेरिल तूफान ने जमकर तांडव मचाया। इस तूफान से आम जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया। जगह-जगह पेड़ उखड़ गए, छतें टूट गईं और बड़ी संख्या में खेत नष्ट हो गए। पिछले कुछ दिनों से छोटे कैरेबियाई द्वीपों में हालात काफी खराब हैं।

इस शक्तिशाली तूफान से मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम नौ हो गई है। बाढ़ और खतरनाक हवाओं से प्रभावित हुए द्वीपों में संचार सेवाएं वापस सही होने पर मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जमैका में बुधवार दोपहर को तूफान द्वीप के दक्षिणी तट से टकराया। उसके बाद चली तेज हवाओं और बारिश ने लोगों को प्रभावित किया। बचावकर्मियों ने बाढ़ से प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

जमैका के टॉप हिल में रहने वाले 51 वर्षीय कैशियर अमॉय वेलिंगटन ने कहा, 'यह डरावना है। सब कुछ बर्बाद हो गया। मैं अपने घर में हूं, लेकिन डरा हुआ हूं। यह एक आपदा है।'

क्षेत्रों को खाली करने को कहा : प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने उन लोगों से जगह खाली करने को कहा, जो खतरे वाले क्षेत्रों में रहते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि जमैका के 500 लोगों ने शेल्टर का सहारा लिया। उन्होंने आगे कहा, 'फिलहाल हमने सबसे बुरा दौर नहीं देखा है। आगे क्या हो सकता है नहीं पता। हम जितना भी मानवीय रूप से संभव है, उतना कर रहे हैं। बाकी भगवान के हाथों में हैं।'

जमैका की राजधानी किंग्स्टन और लोकप्रिय पर्यटक मोंटेगो बे में हवाई अड्डे पूरे दिन बंद रहे।

सोमवार को ग्रेनेडा में मचाई थी तबाही : नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार बेरिल काफी शक्तिशाली तूफान है, जिसे कैटेगरी चार में रखा गया है। बेरिल की वजह से 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। इसकी तूफानी लहरें कई देशों के लिए खतरा बन गई हैं। ग्रेनेडा के प्रधानमंत्री डंकन मिशेल का कहना है कि सोमवार को ये तूफान ग्रेनेडा के तट से टकराया था और आधे घंटे में इसने सबकुछ तबाह कर दिया। इस तूफान में तीन लोगों की जान चली गई है।

अमित तिवारी बने गाजियाबाद के नए जिला पूर्ति अधिकारी

गाजियाबाद,करंट क्राइम। जनपद की जिला पूर्ति अधिकारी डॉ.सीमा बालियान का स्थानातंरण हापुड़ हो गया है, अब वह हापुड़ की जिला पूर्ति अधिकारी हैं।

डॉ. सीमा बालियान के स्थान पर जनपद कौशाम्बी के जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी को गाजियाबाद का जिला पूर्ति अधिकारी बनाया गया है। अमित तिवारी ने गाजियाबाद के नए जिला पूर्ति अधिकारी का पद भार ग्रहण कर लिया है। निवर्तमान जिला पूर्ति अधिकारी डॉ.सीमा बालियान ने अमित तिवारी को पुष्प गुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

संभावित बाढ़ व अतिवृष्टि से निपटने को प्रशासनिक तैयारियों पर चर्चा की गई

बैठक में पुलिस विभाग, आपूर्ति, पशुधन, लोनिवि, नगर निगम,एनएचआई चिकित्सा विभाग के अधिकारी हुए शामिल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उपजिलाधिकारी सदर की अध्यक्षता में सम्भावित बाढ़, अतिवृष्टि से निपटने के लिए नगर निगम के मोहननगर जोनल कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस विभाग, जिला आपूर्ति विभाग, पशुधन विभाग, लो0नि0वि0, नगर निगम, नगर निकाय, एनएचआई, चिकित्सा विभाग एवं अन्य स्थानीय लोग शामिल रहे। बैठक में जिन बिन्दुओं पर चर्चा की गई उनमें खासतौर पर जनपद में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करके आवश्यक प्रबंधन एवं कार्यवाही करना। बाढ़ निरोधक कार्यों पर बाढ़ के समय आवश्यक सामग्री कार्यस्थल तक पहुंचाने के साधन उपलब्ध कराना। बाढ़ निरोधक कार्यों के क्षतिग्रस्त स्थल पर मरम्मत हेतु मजदूर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था करना। बाढ़ निरोधक कार्यों की सुरक्षार्थ आवश्यकता पड़ने पर पीएसी अथवा होमगार्ड द्वारा पेट्रोलिंग का प्रबन्ध कराना। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ निरोधक कार्यों के क्षतिग्रस्त होने पर जहां रात्रि में कार्य करने की आवश्यकता हो वहां पर बिजली का उचित प्रबन्ध करना। जलमग्न क्षेत्र में वर्षा के पानी को निकालने के लिए पम्पों, बिजली व डीजल आदि की समुचित व्यवस्था करना। राहत कार्यों से सम्बन्धित विभाग,संस्थानों से समन्वय बनाना एवं बाढ़ से सम्बन्धित अन्य कार्यों पर गहनता से विचार किया गया। सिंचाई निर्माण खण्ड की ओर से उपस्थित अधिकारी,कर्मचारियों के द्वारा अवगत कराया गया कि वर्षा ऋतु में हर वर्ष प्रदेश के बहुत से क्षेत्र बाढ़ एवं जल प्लावन से प्रभावित होते हैं जिससे फसलों के साथ सम्पत्ति की अपार क्षति होती है। अतः यह आवश्यक है कि पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर बाढ़ जैसी दैवीय आपदा तथा उससे उत्पन्न स्थिति का सामना करने के लिये पहले से ही तैयारी रखी जाये। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में तथा उन स्थानों पर जहां प्रभावित व्यक्ति भेजे जायेंगे वहां तत्काल आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, आपूर्ति विभाग द्वारा उप जिला मजिस्ट्रेट के मार्गदर्शन में की जायेगी। बाढ़ चौकियों पर मुख्य रूप से खाद्यान्न, मिट्टी तेल, नमक माचिस की आपूर्ति की जायेगी। सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर आवश्यक वस्तुओं को राहत कार्य हेतु पहले से ही रखवाना सुनिश्चित किये जाने का निर्णय लिया गया।

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि निगम में भी चल रहा है गजब का सीन? जिन्हे सदन में उठाना है मुद्दा वो तो दिख रहे हैं रिलेक्स? मोर्चा वो खोल रहे हैं जो अब सदन में नही है और हो चुके हैं निगम में एक्स? भगवा त्यागी जी ने बनाई पूरे 20 पेज की रिपोर्ट और कहा कि गलत है ये हाउस टैक्स? कहने वाले ने कहा कि भले ही आपको दिख रहा हो 100 में से 73 भगवा वाला सदन? लेकिन यहां तो आपस मे जारी है विचारों का अनशन? फूल वालों में चल रही है क्या खामोश वाली अनबन?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि कितनी ही बन जाए कमेटी? चलनी है यहां अधिकारियों की ही हेठी? किसने याद दिलाया कि दुकानों वाली कमेटी का क्या रिजल्ट आया? कहने वाले ने कहा कि इसमें कमेटी गठित हुई मगर कमेटी वालो की कितनी चली? किसी ने खोल दी पुरानी फाइल? बता दिया तत्कालीन जीडीए वीसी की वर्किंग का स्टाइल? उन्होंने रख दिया था बोर्ड सदस्य वाला बहुमत हाशिए पर? लिख दिया था अधिकारी बहुमत का दिया फैसला? किस पुराने भाजपाई ने खोली जुबान? कहा कमेटी का कोई फायदा तब है जब लागू भी तो हों कमेटी द्वारा जारी किए गए फरमान?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि लाइन पार वाले एक मेंबर चल रहे हैं सिस्टम से कुछ ज्यादा ही नाराज? उन का कहना है कि माली से लेकर सुपरवाइजर तक नही सुन रहे मेंबर की आवाज? क्या रख दिया सामने वाले के सामने खोल कर अपने दिल का राज? हमे तो समझ ही नहीं आ रहा कि हम क्यों तो जीते और क्यों लड़े थे चुनाव?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि हाथ वालों के यहां आपको कार्यकर्ता कम और लीडर मिलेंगे ज्यादा? हाथ वाले ने ही चुटकी लेते हुए कहा तभी तो हो रहा है ये हाल? आया एक पीसीसी का नाम उनकी जुबान पर? बोले वो मिलता है पुलिस वालों की कमेटी से लेकर व्यापार मंडल वालों की दुकान पर? इस बात को तो करना चाहिए हाई कमान वालो को कंसीडर?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के उस मोहल्ले में हो रहे हैं किस शिकायत को लेकर इतने हल्ले? क्या फूल वालों की ही शिकायत कर आए फूल वाले? कहने वाले ने कि आवास वालों के खास बता सकते हैं कि विकास का ये मैटर कैसे हुआ है बैटर? सुना है दूसरे जिले के बड़े नेता ने किया फिर इस मामले में एंटर? उनके प्रवेश के बाद ही सीन हुआ विशेष? सुना है निबट गया है ये वाला आपसी कलेश?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि नगीने वाले चाहे कितने लगा ले जोर? लेकिन उनके चौधरी दिखेंगे यहां चुनावी मैदान में कमजोर? इसकी वजह है उनका खुद ही यहां के सियासी पथ से दूर होना? आप ही बताओ वो कब दिखे थे आपको यहां के किसी मुद्दे को लेकर कोई धरना प्रदर्शन करते? किसी ने देखा है उन्हे कोई ज्ञापन देते? कहने वाले ने कहा नही है ये बात किलसने की? लेकिन राजनीति होती है अब जनता के मुद्दो को लेकर घर से निकलने की?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने किभगवा महिला मोर्चा वाली दावेदार अब कर सकती हैं इस बात पर संतोष? त्यागी मैडम ने खुद के रुख को मोड़ दिया है मां की भक्ति की ओर? उनका दिखाई दे रहा है अब सनातन संस्कृति के प्रति समर्पित लगाव? उन्होंने कर ली है जगतगुरु शंकराचार्य से भी मुलाकात और लिया है उनका आशीर्वाद? कहने वाले ने कहा कि होने लगी है अब भगवा फीमेल समूह में ये चर्चा? मैडम हो गई हैं पूरी तरह से धर्म संस्कृति में लीन? अब वो मांगेगी मोर्चा में कोई पद इसकी संभावना हमे तो लगती है क्षीण होने ?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि उस वाले मोहल्ले में चल रही है अभी भी सियासी कोल्ड वॉर? यहां पुराना भगवा बागी नही हुआ है फिर से फ्लावर दल में आने को तैयार? भगवा बागी ने कसा फूल वाले देवतुल्यों की हालत पर तंज? बोला मुझे नही है पार्टी से बाहर होने का कोई रंज? मेरे सारे काम होते हैं व्यापारी वाले दम पर और नही कर सकता मुझे कोई तंग? अब इससे ज्यादा नहीं बोलूंगा और इनकी पोल नही खोलूंगा वरना फिसल जायेगी मेरी टंग?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि लाइन पार वाले दावेदारों को उठानी चाहिए थी कुंजन पंडित की आवाज? चलो जब तोड़ा तो कोई नहीं बोला लेकिन बाद में तो खड़े हो सकते थे उसके साथ? कहने वाले ने कहा कि बड़ी जनप्रतिनिधि भी सुन सकती थी बुला कर अपने पास इस कार्यकर्ता की बात? सवाल सही या गलत से ज्यादा ये है कि हर हाल में स्टैंड लेना चाहिए अपने कार्यकर्ता के साथ?

▶▶ क्यों कहा कहने वाले ने कि विकास वाले महकमे ने किस भगवा नेता की तवज्जों में बरतनी शुरू कर दी है ढील? सुना है जब वो बता रहे थे किसी मामले को गंभीरता से अफसर के सामने? तब अफसर ने बड़े कूल लहजे में रिजेक्ट कर दी उनकी दलील? दिए हैं स्टाफ को इस बात के भी निर्देश? इनकी शिकायत पर कार्यवाही से पहले समझ ली जाए इंटेंशन और ज्यादा नहीं देनी है अटेंशन?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

विश्व धर्म संसद की सफलता के लिए डॉ. उदिता त्यागी व पार्षद प्रमोश यादव उठाएंगी कांवड़

गाजियाबाद, करंट क्राइम। सनातन धर्म का सर्वनाश सम्पूर्ण मानवता का सर्वनाश सिद्ध होगा। हिन्दुओं की घटती हुई जनसंख्या और हिन्दुओं में बढ़ती हुई जातीय वैमनस्यता जल्दी ही सम्पूर्ण सनातन धर्म को सर्वनाश की ओर धकेल देगी। ऐसा कहना है शिवशक्ति धाम के पीठाधीश्वर श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े केमहामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि महाराज का। यति का कहना है कि आज ऐसा कोई संत,कोई राजनेता, कोई बुद्धिजीवी,कोई संगठन नहीं दिखाई देता जो हिन्दुओं को इन विकट परिस्थितियों से निकाल सके। ऐसे में अब बस भगवान ही हिन्दुओं की अंतिम शरण हैं। अब केवल माँ और महादेव ही हिन्दुओं को कोई मार्ग दिखला सकते हैं। यति नरसिंहानंद गिरि ने विश्व धर्म संसद के आयोजन करने का संकल्प लिया है। उनके संकल्प की पूर्ति तथा हिन्दुओं को सद्बुद्धि के लिए जगदम्बा महाकाली डासना वाली की दो बेटियां इस बार हरिद्वार से कांवड़ उठाएंगी और कांवड़ का जल शिवशक्ति धाम डासना के महादेव को समर्पित करेंगी। डॉ. उदिता त्यागी व बम्हैटा की पार्षद प्रमोश यादव अपने लगभग एक हजार साथियों के साथ इस बार कांवड़ उठाएंगी। डॉ.उदिता त्यागी और प्रमोश यादव ने यह संकल्प आज शिवशक्ति धाम डासना में जगदम्बा महाकाली डासना वाली के दरबार में लिया।

बाढ़ प्रबंधन एवं कांवड़ यात्रा को लेकर एसडीएम लोनी ने की बैठक

लोनी, करंट क्राइम। एसडीएम निखिल चक्रवर्ती की अध्यक्षता में बाढ़ प्रबंधन एवं कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर पुलिस विभाग, चिकित्सा विभाग, पीडब्ल्यूडी, विद्युत विभाग, नगर पालिका ,ब्लॉक के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। बैठक में सम्भावित बाढ़ एवं अतिवृष्टि को लेकर एसडीएम निखिल चक्रवर्ती ने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को समय रहते सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश देते हुए अलर्ट रहने पर जोर दिया। इसके अलावा कांवड़ यात्रा को लेकर भी एसडीएम निखिल चक्रवर्ती ने पुलिस विभाग और चिकित्सा विभाग को कांवड़ यात्रा के दौरान पूरी तरह सजग रहने के निर्देश दिये। विदित हो कि 22जुलाई से कांवड़ यात्रा शुरू होने जा रही है, इस दौरान लोनी क्षेत्र से गुजरने वाले कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा का पूरा ध्यान रखने के भी सम्बंधित विभागों को निर्देश एसडीएम ने दिये हैं।

भाजपा नेता राजू पांचाल ने एक पौधा मां के नाम रोपा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भाजपा पश्चिम उत्तर प्रदेश लघु उद्योग प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक राजू पांचाल ने भाजपा शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर एक पौधा मां के नाम पटेल नगर 2 हनुमान पार्क में लगाकर वातावरण को खूबसूरत बनाने में योगदान दिया। इस अवसर पर अनिल जिन्दल, राकेश गुप्ता, मुकेश शर्मा, रसम त्यागी, ओ पी अग्रवाल, अशोक भारतीय, मनीश के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

6 और 7 जुलाई को श्रीनाथ होटल एंड बैंक्विट में लगेगा 27 वां विभावरी तीज मेला

तीज और रक्षाबंधन की खरीदारी के लिए है सुनहरा अवसर

बॉलीवुड अभिनेत्री उपासना सिंह 6 जुलाई को करेंगी उद्घाटन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में बीते लगभग 27 सालों से आयोजित हो रहे विभावरी तीज मेले का आयोजन इस वर्ष भी 6 और 7 जुलाई को श्रीनाथ जी होटल एंड वैंकट गाजियाबाद में किया जाएगा। सावन की घटाओं एवं बारिश की रिमझिम बौछारों के बीच होने वाले रक्षाबंधन और तीज की तैयारी के इस आयोजन का उद्घाटन इस बार 6 जुलाई को बॉलीवुड अभिनेत्री उपासना सिंह के द्वारा किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस मेले में हस्तशिल्प, ज्वैलरी, डिजाइनर वस्त्र, घरों के लिए सजावटी सामान, पेंटिंग, इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल के साथ ही ऑटोमोबाइल और विभिन्न खाने-पीने के स्टाल लगाए जाएंगे। साथ ही यहां महिला और पुरुष तीज और रक्षाबंधन के त्यौहार के लिए खरीदारी भी कर पाएंगे। गुरुवार को संस्था की चेयरपर्सन पिंकी मंगल ने अपनी टीम के साथ महत्वपूर्ण जानकारी दी।

एयर कंडीशन हॉल में लगेगा मेला, मेहंदी से लेकर पकवान की खुशबू फैलाएगी उमंग

करंट क्राइम । विभावरी द्वारा आयोजित तीज मेले में आने वाले लोगों को गर्मी ना लगे, इसके लिए मेला पूर्णतया एयर कंडीशन रखा गया है ताकि लोग उमस और गर्मी वाले मौसम में भी खरीदारी का मजा लें। मेले में मेहंदी प्रतियोगिता, उत्तम वस्त्र प्रतियोगिता के साथ ही महिलाओं व बच्चों के लिए लगने वाले विभिन्न स्टॉल पर लजीज पकवानों का भी आनंद ले सकेंगे। मेले की सभी तैयारियां खुद विभावरी हाउसवाइफ एसोसिएशन द्वारा की जा रही है। आयोजकों को उम्मीद है कि दो दिन तक चलने वाले इस मेले में हजारों लोग प्रतिभागी करेंगे। महिलाओं से लेकर पुरुष अपने परिवार के साथ पहुंचेंगे और यहां आगामी तीज के त्यौहार की शॉपिंग भी करेंगे। गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए विभावरी हाउसवाइफ एसोसिएशन की चेयर पर्सन पिंकी मंगल, प्रेसिडेंट चारू जैन और कोषाध्यक्ष आशिमा जैन ने बताया है कि तीज मेले में महिलाओं को मेहंदी की कई अलग वैरायटी और डिजाइन भी लगवाने का मौका मिलेगा। जिससे वह अपने तीज और रक्षाबंधन के त्यौहार को यादगार बन सके।

कई तरीके की प्रतियोगिता भी की जाएगी आयोजित

करंट क्राइम । विभावरी हाउसवाइफ एसोसिएशन की अध्यक्ष चारू जैन, कोषाध्यक्ष आशिमा जैन व चेयर पर्सन पिंकी मंगल ने बताया है कि दो दिन तक चलने वाले विभावरी तीज मेले में कई तरीके की आकर्षक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएगी, ताकि दिनभर चलने वाले इस कार्यक्रम में महिलाएं बोर ना हों और वह मनोरंजन के साथ शॉपिंग का भी आनंद ले सकें।

पौधारोपण

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष अनिल स्वामी ने एक पौधा मां के नाम अर्पित करते हुए लगाया। उन्होने इस पौधे के साथ ये संदेश दिया कि सही मायने में पर्यावरण ही हमारे जीवन का आधार है। हमें इसकी रक्षा करनी चाहिए ।

रोटरी क्लब राजधानी व राज्य कर विभाग ने किया पौधरोपण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गुरुवार को रोटरी क्लब राजधानी व राज्य कर विभाग द्वारा व्यापारी सहायता केंद्र मोहननगर व ऑफिसर्स प्रशिक्षण संस्थान पर पौधरोपण का कार्यक्रम किया गया । पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य कर विभाग के एडिशनल कमिश्नर ग्रेड 1 दिनेश कुमार मिश्रा द्वारा किया गया ।

इस अवसर पर सरिता सिंह एडिशनल कमिश्नर, एसआईबी, जॉइंट कमिश्नर राम गोड व जिला जीत सिंह, विशाल पुंडीर सहित राज्य कर विभाग में कार्यरत अधिकारी एवं असिस्टेंट गवर्नर रोटरी राजधानी 16, रोटेरियन मनोज गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में व रोटेरियन राज किशोर शर्मा अधिवक्ता, राजीव कुमार बग्गा, दीपक त्यागी, दीपक गोयल, संजीव सपरा, विपुल बग्गा व कर्मचारी प्रदीप चौधरी, अनिल चौहान, दीपाली अग्रवाल, तनु सक्सेना आदि मौजूद रहे। रोटरी क्लब राजधानी क्षेत्र 16 के अध्यक्ष रोटेरियन राजीव कुमार बग्गा एडवोकेट ने बताया कि वृक्ष की आवश्यकता मानव जीवन में अत्यंत आवश्यक है, हम सबके लिए पर्यावरण को शुद्ध करना है तो पेड़ों की महत्वा को समझना कोगा। हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के साथ उनके पालन का भी ध्यान रखना है। रोटरी क्लब की ओर से सभी ने एक पौधा लगाने का संकल्प लिया।

आर डी इंजीनियरिंग कॉलेज के 16 छात्रों का कैम्पस प्लेसमेन्ट में हुआ चयन

मुरादनगर , करंट क्राइम। मेरठ रोड स्थित आरडी इंजीनियरिंग कॉलेज में साफ्टवेयर के क्षेत्र में इटली बेस एमएनसी कम्पनी हुल्के प्रा.लि. द्वारा कैंपस प्लेसमेन्ट का आयोजन किया गया। यह कम्पनी एडबलूएस, नोड जे.एस., मैन्गो डीबी, वेब डेवलपमेन्ट, ब्लाक चेन आदि पर कार्य करती है। चयन प्रकिया के बाद कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इवटलीजेन्स एण्ड मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, आई.टी. एवं एम.सी.ए. ब्रीच के 16 छात्रों का चयन हुआ। छात्र आनन्द कुमार, अनमोल कुमार, रितिक त्यागी, खुशी निरवान, अमन रुहेला, उज्जवल कुमार सिंह, केशव चौधरी, वरुण कुमार, अक्षित त्यागी, सौरभ यादव, राधे मोहन, अभिनव बंसल, आर्यन त्यागी, ईशा, शिवेन्द्र यादव तथा आकाश त्यागी चयनित हुए। चयनित छात्रों ने सफलता का श्रेय कैंपस में मिलने वाली शिक्षा पद्धति और तकनीकी शिक्षण प्रशिक्षण को दिया। छात्रों ने बताया कि कैंपस में छात्रों को इंजीनियरिंग के दूसरे वर्ष के प्रारम्भ से ही विभिन्न प्रकार की निःशुल्क सॉफ्ट और टेक्निकल ट्रेनिंग दी जाने लगती है जिनमें फुल स्टेक जावा, ए.डब्लू.एस, पाइथन, बिग डेटा, मशीन लर्निंग, ग्रुप डिशकशन इत्यादि है। कॉलेज से इंडस्ट्री में जाने तक का सफर और भी आसान हो जाता है और इन्हीं कारणों से हमारा चयन सम्भव हो सका है।

कॉलेज के चेयरमैन डा. राकेश शर्मा एवं निदेशक डॉ. संजीव शर्मा ने चयनित छात्रों को बधाई दी और बताया कि पिछले कई वर्षों से कॉलेज में कैंपस प्लेसमेन्ट का प्रतिशत 85 प्रतिशत से अधिक रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि हमारी प्राथमिकता सभी छात्रों को एक बेहतर जॉब दिलाने की है। इस अवसर पर कॉलेज के वरिष्ठ प्रो. डॉ. हरिओम उपाध्याय, डिप्टी डायरेक्टर प्रो. संजय पालीवाल, डॉ. पंकज सिंह, डीन एकेडमिक प्रो.मो. वकील, प्रो.लव दीक्षित, राजेश शर्मा, प्लेसमेन्ट आफिसर प्रो.आशुतोष प्रधान, प्रशासनिक अधिकारी विवेक त्यागी व रजिस्ट्रार घनश्याम सिंह आदि का सहयोग रहा।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद, करंट क्राइम। रविंद्र त्यागी बिल्डर हैं,वो क्रिकेट से जुड़े हैं और सफल बिजनेस मैन के साथ–साथ प्रतिष्ठित व्यक्तित्व भी हैं ।लेकिन वो उस समय इमोशनल हो गए जब उन्होंने अपने पिताजी को ऑफिस की मेन चेयर पर बैठे देखा।एक बेटे के लिए इससे सुखद अहसास कुछ हो ही नहीं सकता। रविंद्र त्यागी ने ईश्वर से अपने पिता की लंबी आयु की प्रार्थना की। उन्होंने इस पल को फेसबुक पर साझा किया। पिता के प्रति समर्पित यह पोस्ट बनी **करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।**